विवरणिका
2025-2026

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन

(NAAC 'A+' ग्रेड मान्यता प्राप्त | NIRF कॉलेज रैंकिंग - 38)

दिल्ली विश्वविद्यालय

REPUBLIC DAY

CHARISMA

:)
@shivamwaswanimusic
SHAHEED RAJGURU COLLEGE OF APPLIED SCIENCE FOR WOMEN

(24 अगस्त 1908 - 23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरू का जन्म 1906 में पुणे जिले के खेड नामक स्थान पर एक सामान्य मध्यमवर्गीय हिंदू ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह बहुत कम उम्र में वाराणसी आए, जहाँ उन्होंने संस्कृत सीखी और हिंदू धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया। वाराणसी में ही उनका संपर्क क्रांतिकारियों से हुआ। वह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA) के सक्रिय सदस्य बन गए।

राजगुरू में निर्भीकता और अडिग साहस कूट कूट कर भरा था। उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य उनकी मातृभूमि की स्वतंत्रता थी, जिसके लिए उन्होंने किसी भी बलिदान को बहुत बड़ा नहीं समझा। वह चंद्रशेखर आज़ाद, सरदार भगत सिंह और जतिन दास के करीबी सहयोगी थे। उनका कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश और पंजाब रहा, जिसमें कानपुर, आगरा और लाहौर उनके मुख्य केंद्र थे।

राजगुरू एक कुशल निशानेबाज़ थे और पार्टी में उन्हें गनमैन के रूप में जाना जाता था। उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण था ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे. पी. सॉन्डर्स की 1928 में लाहौर में हत्या।

सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में मुकदमा चलाया गया। उन्हें दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सज़ा दी गई। राजगुरू को उनके दो साथियों के साथ 23 मार्च, 1931 की शाम को लाहौर जेल में फांसी दी गई। शहादत के समय राजगुरू की आयु केवल 23 वर्ष थी।

विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश	1
प्रधानाचार्या की कलम से	2–3
कोषाध्यक्ष की ओर से	4
महाविद्यालय का दृष्टिकोण और ध्येय	5
प्रवेश विवरण	6–7
NEP: UGCF फ्लोचार्ट	8–9
कॉलेज का परिचय	10
IQAC@SRCASW	11
स्टाफ@SRCASW	11
प्रोफेसरगण	12
विभाग	
• जैव रसायन विभाग	13
• जैवचिकत्सा विज्ञान विभाग	14
• रसायन विज्ञान विभाग	15
• संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान विभाग	16
• इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग	17
• खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग	18
• यंत्र विन्यास (इंस्ट्रूमेंटेशन) विभाग	19
• प्रबंधन अध्ययन विभाग	20
• वित्तीय अध्ययन विभाग	21
• गणित विभाग	22
• सूक्ष्मजैविकी विभाग	23
• भौतिकी विभाग	24
• मनोविज्ञान विभाग	25
• सांख्यिकी विभाग	26
सहायक विभाग	
• अंग्रेज़ी विभाग	27
• पर्यावरण अध्ययन विभाग	28
• शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग	29-30
SRCASW में सुविधाएं	31–32
SRCASW की उपलब्धियां	33
SRCASW में अवसर	34–35
SRCASW का जीवन	36–53
सामाजिक पहलें	54–58
महाविद्यालय नियम	59–60
अधिनियम	61–62
समितियाँ	63
पाठ्यक्रम-सह सीटों की संख्या	64
शुल्क संरचना	65

अध्यक्ष का संदेश

सप्रेम शुभकामनाएँ!

किसी भी संस्थान की असली शक्ति उसके लोगों की निष्ठा और जुनून में निहित होती है। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW) में हमारी समर्पित टीम ने कॉलेज की स्थापना के समय वर्ष 1989 में जिस विनम्र शुरुआत से इसकी यात्रा शुरू की थी, उसे आज एक प्रमुख शिक्षण संस्थान में परिवर्तित कर दिया है। यह संस्थान आज उसी उत्साह और दृढ़ संकल्प को प्रतिबिंबित करता है जैसा कि इसके प्रेरणास्रोत शहीद शिवराम हरि राजगुरु, एक भारतीय क्रांतिकारी और साहस व देशभक्ति के प्रतीक, ने अपने जीवन से प्रस्तुत किया था। अमृत काल विज़न 2047 (जो एक समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण की रूपरेखा है) के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए-SRCASW शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दृष्टिकोण हमें ऐसे नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है, जो न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट हों, बल्कि करुणाशील और सामाजिक रूप से उत्तरदायी भी हों, ताकि वे एक सतत् और न्यायसंगत भविष्य में सार्थक योगदान दे सकें।

हमारा उद्देश्य प्रत्येक छात्रा में जिज्ञासा की भावना जागृत करना और जीवन भर सीखने के प्रति प्रेम को पोषित करना है। हम शैक्षणिक अनुशासन को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं, ताकि हमारी छात्राएं वैश्विक नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करें और साथ ही संवेदनशीलता एवं सहानुभूति से परिपूर्ण रहें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने हमारे शैक्षणिक दृष्टिकोण में नई ऊर्जा का संचार किया है। मैं हमारे सभी सहयोगियों के निरंतर प्रयासों की सराहना करती हूँ, जिनके कारण इस नीति का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो पाया है, जिससे एक गतिशील और दूरदर्शी शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया गया है।

आगामी वर्षों की ओर अग्रसर होते हुए, हम नवोन्मेषी शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि छात्राओं को अनुभवात्मक शिक्षा के ऐसे अवसर प्रदान किए जा सकें जो उनके भीतर छिपी संभावनाओं को उजागर करें। हम अपने बुनियादी ढांचे को सशक्त, शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार और उद्योग व अन्य संस्थानों के साथ सहयोग को मजबूत करेंगे, जिससे एक समग्र शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सके।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ, SRCASW विविध छात्रा समाजों और क्लबों के माध्यम से सह-पाठयक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियों की एक जीवंत श्रृंखला प्रदान करता है, जो सहपाठी शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती है। हमारी आउटरीच पहलें समुदाय के साथ सार्थक संबंधों को लगातार सुदृढ़ कर रही हैं, जो समावेशिता और सामाजिक प्रभाव के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती हैं।

जब हम शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुसरण करते हैं, तो हम एक स्थायी भविष्य के लिए युवा मस्तिष्कों को समानता और उत्कृष्टता के सिद्धांतों के साथ पोषित करने के अपने संकल्प पर अडिग रहते हैं।

संपूर्ण राजगुरु परिवार को एक ऐसे वर्ष के लिए ढेरों शुभकामनाएँ, जो विकास और उपलब्धियों से परिपूर्ण हो!

शुभेच्छा

प्रोफेसर के. एन. सरस्वती
अध्यक्ष
प्रबंधक निकाय (गवर्निंग बॉडी)
शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन,
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रधानाचार्या की कलम से

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन उन सभी भावी छात्राओं का हार्दिक स्वागत करता है जो परिवर्तनकारी शिक्षा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र व्यक्तिगत विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहती हैं। हमारा जीवंत परिसर छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच एक सशक्त समुदाय को बढ़ावा देता है, जहाँ सहयोग, नवाचार और अपनापन फलते-फूलते हैं। शहीद शिवराम हरि राजगुरु की प्रेरणादायक विरासत से प्रेरित होकर, हम अनुशासन, दृढ़ता और सामाजिक प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को आत्मसात करते हैं, और इस 'अमृत काल' में भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हैं।"अनुप्रयुक्त विज्ञान" या "व्यावहारिक विज्ञान"(अप्लाइड साइंसेज़) के एक प्रमुख केंद्र के रूप में, हमारा पाठ्यक्रम व्यावहारिक, अनुभव-आधारित शिक्षण पर बल देता है, जो वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने और आधुनिक उद्योगों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। हम 14 स्नातक कार्यक्रम प्रदान करते हैं: बी.एससी. (ऑनर्स) - जैवरसायन, जैवचिकित्सा विज्ञान, रसायन विज्ञान, संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान, विद्युतकी (इलेक्ट्रॉनिक्स), खाद्य प्रौद्योगिकी, यंत्र विन्यास (इंस्ट्रूमेंटेशन), गणित, सूक्ष्मजैविकी (माइक्रोबायोलॉजी), भौतिक विज्ञान, सांख्यिकी; बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीएफआईए), बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान। ये सभी कार्यक्रम उच्च-विकास क्षेत्रों के अनुरूप रणनीतिक रूप से तैयार किए गए हैं, ताकि छात्राएं वैज्ञानिक नवाचार और नेतृत्व भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल अर्जित कर सकें। हमारे अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाएं एक गतिशील शिक्षण वातावरण प्रदान करती हैं, जो जिज्ञासा, प्रयोग और ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देती हैं, जिससे हमारे स्नातक विद्यार्थी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप और अनुकूल बनने में सक्षम होते हैं।

शहीद राजगुरु कॉलेज इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि उसके स्नातक न केवल उच्च स्तर पर रोजगार योग्य हों, बल्कि उद्यमशील भी बनें। हमारा कैरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल छात्राओं को व्यापक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करता है, जिससे वे अपने लिए बेहतर करियर के अवसर प्राप्त कर सकें। कॉलेज का इनक्यूबेशन सेंटर, जो विशेष रूप से उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है, छात्राओं को कार्यशालाओं, मेंटरशिप और संसाधन उपलब्ध कराता है ताकि उनके नवाचारपूर्ण विचारों को साकार किया जा सके। यह उन्हें कॉर्पोरेट जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने या अपना स्वयं का स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए सशक्त बनाता है, जिससे वे आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने हमारी शैक्षणिक दृष्टिकोण को एक नई ऊर्जा प्रदान की है, जिसमें बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और लचीलापन पर विशेष बल दिया गया है। इस ढांचे के तहत छात्रा मुख्य, वैकल्पिक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का चयन कर अपने शैक्षणिक सफर को अपनी रुचियों और लक्ष्यों के अनुसार ढाल सकते हैं। यह समग्र विकास को प्रोत्साहित करता है और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाता है। NEP 2020 का अनुसंधान, नवाचार और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर केंद्रित दृष्टिकोण, हमारे अप्लाइड साइंसेज़ के मूल सिद्धांतों से पूरी तरह मेल खाता है, जिससे छात्राएं भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं और सामाजिक चुनौतियों का रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच के साथ समाधान करने में सक्षम बनती हैं।

हमारी विशिष्ट पूर्व छात्राएं, जो वैश्विक स्तर पर विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं, हमारी शिक्षा की प्रभावशीलता को प्रमाणित करती हैं। वे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में अग्रणी और नवोन्मेषक के रूप में कार्य कर रही हैं। उनकी उपलब्धियाँ इस बात का प्रतीक हैं कि हमारा संस्थान एक समावेशी और परिवर्तनकारी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो महिलाओं को समाज में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है।

प्रिय छात्राओं, शहीद राजगुरु कॉलेज में आपका यह सफर एक परिवर्तनकारी अवसर है, जहाँ आप शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होंगी, जीवन भर के लिए मित्रता स्थापित करेंगी और एक सार्थक आजीविका एवं जीवन की नींव रखेंगी। इस रोमांचक चरण की शुरुआत करते हुए, हम आपको प्रेरित करते हैं कि आप ज्ञान, नेतृत्व और करुणा को अपनाएं। शहीद राजगुरु कॉलेज में आपका हार्दिक स्वागत है, और हम आपके उज्ज्वल, सफल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो

प्रधानाचार्या

कोषाध्यक्ष का संदेश

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW), जो दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित घटक महाविद्यालय है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और समग्र व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से युवतियों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारा कॉलेज एक सजीव और समृद्ध शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है, जिसे अत्याधुनिक आधारभूत संरचना और सुसज्जित प्रयोगशालाओं द्वारा सशक्त बनाया गया है। ये सुविधाएं छात्राओं को उद्योग मानकों के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं, जिससे वे न केवल सफल आजीविका के लिए तैयार होती हैं, बल्कि उच्च शैक्षणिक अनुसंधान और अध्ययन की दिशा में भी अग्रसर हो पाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व है कि हमारे यहां चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें अंतिम वर्ष में अनुसंधान पर बल दिया गया है। यह चौथे वर्ष का शोध घटक छात्राओं में आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और स्वतंत्र खोज की भावना को प्रोत्साहित करता है, जिससे वे भविष्य के वैज्ञानिकों, विद्वानों और विचारशील नेतृत्वकर्ताओं के रूप में तैयार हो सकें।

शैक्षणिक उपलब्धियों से परे, हमारा संस्थान सह-पाठयक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। ये मंच छात्राओं को अपनी रुचियों की खोज, सामाजिक पहलों में भागीदारी, और नेतृत्व एवं संवाद कौशल के विकास का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे एक बहुआयामी और संतुलित व्यक्तित्व के रूप में विकसित हो सकें।

यह विवरणिका आपको हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर जीवन, और छात्रा सहायता प्रणालियों की एक समग्र झलक प्रदान करता है। हमें आशा है कि यह आपको हमारे संस्थान से जुड़ने के लिए एक सूचित और प्रेरणादायक निर्णय लेने में सहायता करेगा।

आपके शैक्षणिक सफर के लिए हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रोफेसर राज किशोर शर्मा
कोषाध्यक्ष
प्रबंधक निकाय (गवर्निंग बॉडी)
शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन
दिल्ली विश्वविद्यालय

महाविद्यालय का दृष्टिकोण और ध्येय

दृष्टिकोण: दुनिया के अग्रणी संस्थानों में शामिल होने की दिशा में अग्रसर होते हुए, कॉलेज उच्चतम शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए उद्योग और शैक्षणिक जगत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने और अनुसंधान एवं विकास में एक अग्रणी भूमिका निभाने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य समाज की सेवा करना है, ताकि पेशेवरों को इस प्रकार तैयार किया जा सके कि वे वर्तमान और भविष्य की सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपट सकें। यह संस्थान संरचित शिक्षण प्रणाली के माध्यम से प्रासंगिक ज्ञान का प्रसार करता है। कॉलेज का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाली व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से- जीवन में बदलाव लाना, भविष्य का निर्माण करना, तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना और उद्योगों से मजबूत संबंध विकसित करना है।

ध्येय: कॉलेज का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रदान कर एक नई पीढ़ी के पेशेवरों का निर्माण और पोषण करना है। उनमें मज़बूत नैतिक मूल्य विकसित किए जाते हैं, ताकि वे नए युग में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले प्रतिनिधियों के रूप में कार्य कर सकें। हमारा सतत प्रयास रहेगा कि हम भविष्य के पेशेवरों के लिए व्यावहारिक रणनीतियों को आत्मसात करें और प्रसारित करें तथा उन्हें रणनीतिक सोच और वैश्विक परिवेश में कार्य करने की समझ प्रदान करें, ताकि वे संगठन के मिशन को सफलतापूर्वक पूरा कर सकें।

प्रवेश विवरण

सभी स्नातक (UG) कार्यक्रमों में प्रवेश, विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। ये विवरण Under-Graduate Bulletin of Information - 2025 (UG-BOI) और Common Seat Allocation System-2025 (CSAS) में प्रकाशित किए गए हैं।

प्रत्येक कार्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड UG BOI-2025 में दिए गए हैं, जो विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट admission.uod.ac.in पर उपलब्ध है। उम्मीदवारों को UG BOI-2025 और CSAS-2025 को ध्यानपूर्वक पढ़कर पात्रता मानदंडों की जांच करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त कोई अन्य पात्रता मानदंड नहीं है।

उम्मीदवारों की जिम्मेदारी है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर अद्यतन, दिशानिर्देश, समय सारिणी और प्रवेश से संबंधित नीतियों की नियमित जांच करें।

CSAS-2025 से संबंधित किसी भी मुद्दे/विवाद पर केवल दिल्ली न्यायालयों का क्षेत्राधिकार मान्य होगा।

महत्वपूर्ण सूचना: स्नातक (UG)प्रवेश - 2025 से संबंधित अधिसूचनाओं और अपडेट्स के लिए कृपया admission.uod.ac.in देखें। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश, कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट - स्नातक 2025 (CUET (UG) – 2025) के आधार पर किया जाएगा।"

प्रवेश प्रक्रिया के मुख्य बिंदु:

1. केवल CUET (UG) - 2025 में उपस्थित होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उम्मीदवार को CSAS-2025 में आवेदन करना अनिवार्य है।
2. आवेदन करने से पूर्व, उम्मीदवार को UG BOI-2025 और CSAS-2025 को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।
3. UG BOI-2025 में दी गई न्यूनतम पात्रता और कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता मानदंडों को ध्यान में रखना आवश्यक है।
4. उम्मीदवार को प्रवेश वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोग्राम सूची, शुल्क संरचना, और अन्य संबंधित जानकारी की जांच करनी चाहिए।
5. पात्रता निर्धारण और दस्तावेज़ सत्यापन केवल दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में होगा।
6. केवल वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने CUET (UG)-2025 दिया हो और किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण की हो।
7. CSAS-2025 पोर्टल पर वरीयताओं को भरना और समय पर आवेदन करना अनिवार्य है।
8. सभी UG कार्यक्रमों में सीट आवंटन CUET (UG) - 2025 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा।
9. प्रदर्शन-आधारित कार्यक्रमों, ECA और खेल कोटा में सीट आवंटन CUET अंकों + परफॉर्मेंस टेस्ट/ट्रायल/प्रमाणपत्रों के आधार पर किया जाएगा।
10. CSAS-2025 मेरिट सूची जो प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी, उसका पालन दिल्ली विश्वविद्यालय (UoD) के सभी कॉलेजों द्वारा किया जाएगा।
11. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश से संबंधित सभी सूचनाओं और अपडेट्स के लिए अपने डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट (admission.uod.ac.in) को नियमित रूप से जांचते रहें।

प्रवेश विवरण (अंश)

12. अगर उम्मीदवार प्रवेश दिशानिर्देश, समय-सारणी, पात्रता मानदंड या CSAS-2025 नियमों से अनजान रहता है, तो इसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। उम्मीदवार की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि वह इन सभी जानकारियों की नियमित जांच करे।

13. यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि और समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं करता है या शुल्क का भुगतान नहीं करता है, तो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

14. विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा सूचित किए जाने पर उम्मीदवार को मूल दस्तावेज़ों की सत्यापन प्रक्रिया के लिए स्वयं उपस्थित होना होगा।

15. आरक्षित श्रेणियों (जैसे PwBD, CW, KM) के अंतर्गत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार को अपनी पात्रता साबित करने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। संबंधित प्रमाण-पत्र जारी करने वाली सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए दस्तावेज़ों को अपलोड करना अनिवार्य होगा।

16. यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज़ नकली, झूठे या किसी भी प्रकार से दोषपूर्ण हैं, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा — भले ही प्रवेश पहले से दिया जा चुका हो। यदि कार्यक्रम पूरा करने के बाद ऐसा पाया गया, तो डिग्री रद्द कर दी जाएगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

17. उम्मीदवार की प्रवेश प्रक्रिया में भागीदारी अस्थायी (provisional) होगी। अगर पात्रता पूरी नहीं होती है, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

18. यदि कोई उम्मीदवार बाद में अयोग्य पाया जाता है, तो विश्वविद्यालय प्रवेश शुल्क वापस नहीं करेगा।

19. विश्वविद्यालय को यह अधिकार है कि वह किसी भी उम्मीदवार का प्रवेश रद्द कर सकता है यदि वह विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन करता है।

कॉमन सीट अलोकेशन सिस्टम 2025 (CSAS) के तीन चरण

चरण I: दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना

चरण II: प्रोग्राम्स और कॉलेजों के लिए वरीयताओं को भरना

चरण III: सीट आवंटन - प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना

महत्वपूर्ण:

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए, उम्मीदवार को तीनों चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।

NEP: UGCF प्रवाह संचित्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस बात को रेखांकित करती है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का उद्देश्य अच्छे, विचारशील, समग्र और रचनात्मक व्यक्तियों का विकास करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने का तरीका समग्र और बहु-विषयी शिक्षा के माध्यम से है, जिसमें छात्राओं को अपनी पढ़ाई को आकार देने की स्वतंत्रता दी जाती है।

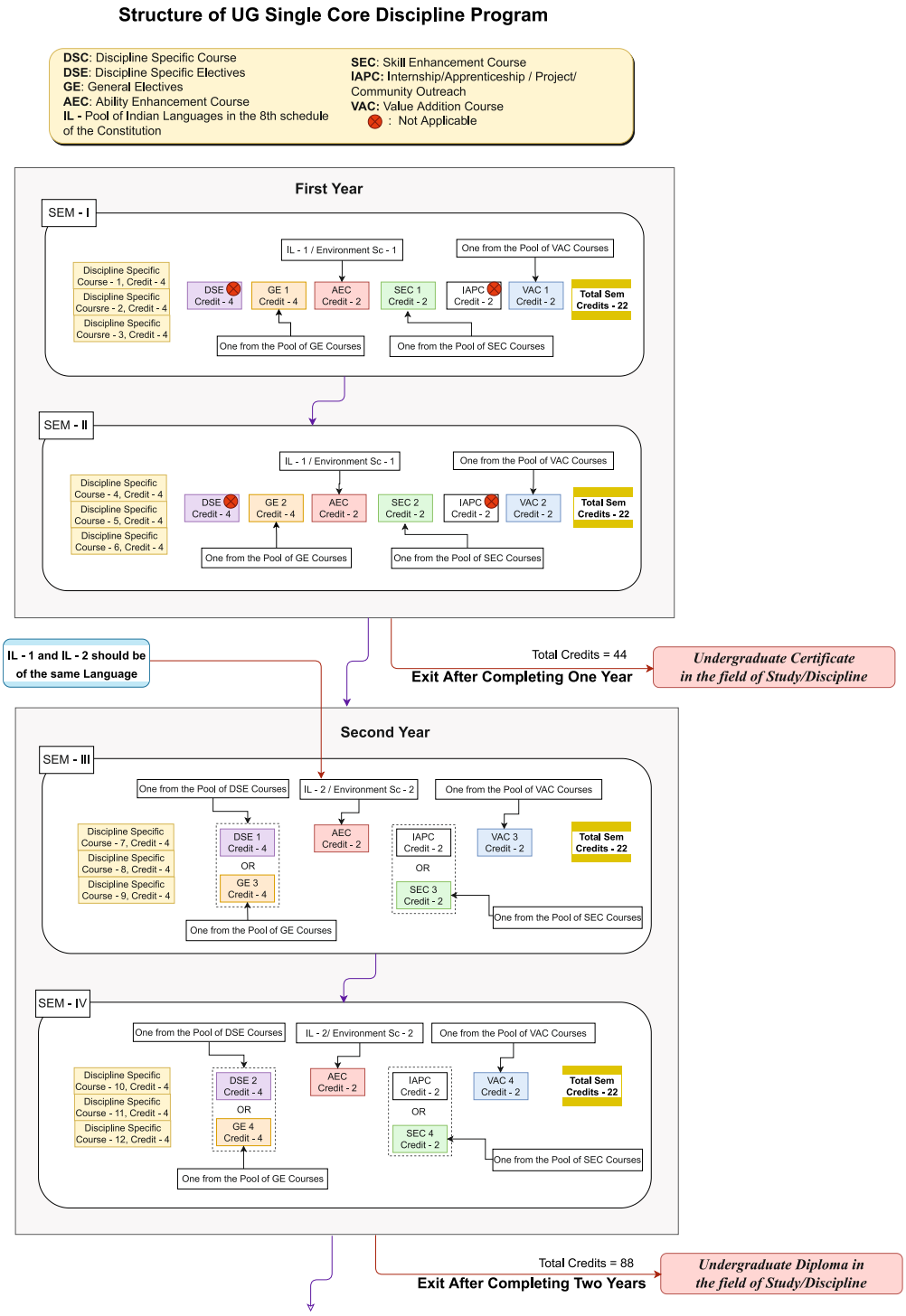

NEP: UGCF प्रवाह संचित्र

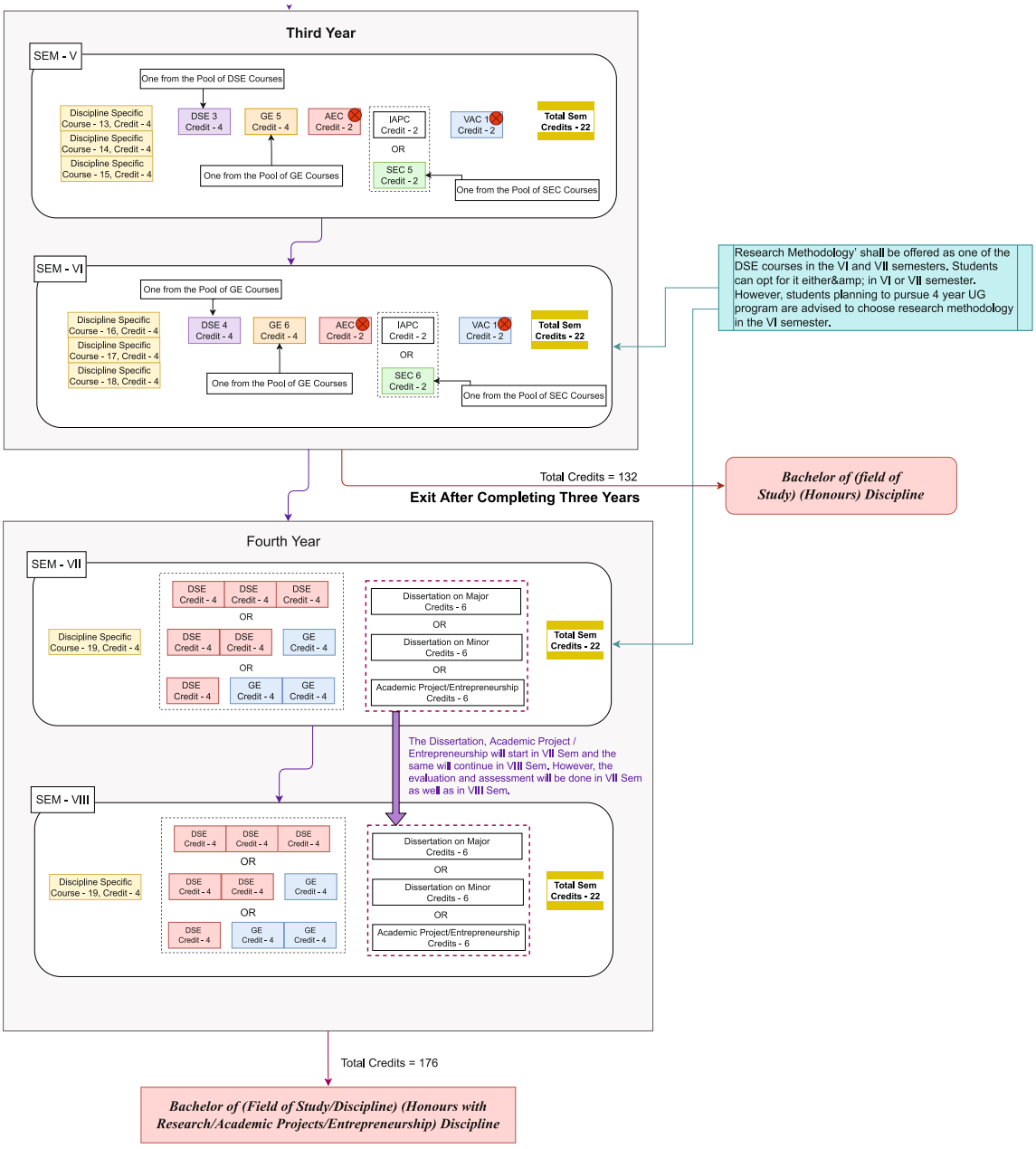

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs:
Total DSC papers : 20
Total DSE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)
Total GE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

The student can **Minor** in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7 x 4) = 28 credits

Example: A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded **Major in History.**

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded **Minor in Political Science.**

महाविद्यालय का परिचय

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज है, जिसे दिल्ली सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित किया गया है। इस कॉलेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। यह कॉलेज निम्नलिखित कार्यक्रम प्रदान करता है:

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम
1	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन	8	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
2	बी.एससी. (ऑनर्स) जैवचिकित्सा विज्ञान	9	बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजैविकी
3	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	10	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी
4	बी.एससी. (ऑनर्स) संगणक विज्ञान	11	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी
5	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) [फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट एनालिसिस]
6	बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	13	बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
7	बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	14	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

ये प्रोग्राम छात्राओं को आवश्यक और व्यावहारिक ज्ञान से लैस करने का मंच प्रदान करते हैं ताकि वे वैश्विक स्तर पर उभरती चुनौतियों का सामना कर सकें। वर्तमान में कॉलेज में लगभग 1000 छात्राएं देश के विभिन्न हिस्सों से पढ़ रही हैं।

शिक्षण की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि छात्रा सीखें, पुनः सीखें और जो कुछ ग़लत हो उससे सीखें। कॉलेज की शिक्षण नीति शिक्षक और छात्रा के बीच प्रभावी संबंध पर केंद्रित है। कॉलेज में कुशल स्टाफ है जो दैनिक गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करता है।

नियमित कार्यक्रमों के अलावा, कॉलेज शॉर्ट-टर्म कोर्स, कार्यशाला, और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान भी आयोजित करता है। कॉलेज CISCO के साथ मिलकर CISCO नेटवर्किंग अकादमी चलाता है और छात्राओं को CCNA इंडस्ट्री सर्टिफिकेशन के लिए तैयार करता है।

कॉलेज में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) केंद्र भी है जहाँ PG डिप्लोमा इन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड नेटवर्किंग (PGDLAN) प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कॉलेज जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी प्रदान करता है।

कॉलेज छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर देता है। कॉलेज में कई सोसायटी और क्लब हैं, जिनके माध्यम से छात्राएं अपनी प्रतिभा को पहचान सकती हैं और उसे निखार सकती हैं।

“अंडर ग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (UGCF) 2022 (NEP 2020)" के तहत पाठ्यक्रमों का विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू.ए.सी)

कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू. ए.सी) को यूजीसी और नैक के प्रस्ताव के अनुसार स्थापित किया गया है ताकि गुणवत्ता संवर्धन और निगरानी के लक्ष्यों को साकार किया जा सके। गुणवत्ता संवर्धन एक निरंतर प्रक्रिया है और इसलिए आई. क्यू.ए.सी कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करने का प्रयास करता है। यह प्रकोष्ठ समी संस्थागत प्रथाओं में गुणवत्ता संवर्धन के मानकों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार उत्कृष्टत्ता और सतत विकास की प्रणाली को प्रोत्साहित करता है।

कॉलेज का एक सक्रिय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू.पू.सी) है जो निरंतर विभिन्न गुणवत्ता पहलुओं की निगरानी और विश्लेषण करता है और इसे निरंतर सुधारने के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श करता है। आई, क्यू.पू.सी, सेमिनार, विशेषज्ञ व्याख्यान् स्वास्थ्य जांच शिविर आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के अलावा, गुणवत्ता मानकों की स्थापना और रखरखाव के प्रति भी प्रतिबद्ध है। इसमें छात्रों, स्टाफ और अभिभावकों से समय-समय पर प्रतिक्रिया लेना, परिणामों का विश्लेषण करना और नेक वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (ए. क्यू.ए.आर) जमा करना शामिल है।

आई. क्यू.ए.सी ने अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ सहयोग को भी सुगम बनाया है।

स्टॉफ@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

संकाय

प्रधानाचार्य
एस.आर.सी.ए.एस.डब्लयू

प्रोफेसर (डॉ) पायल मागो [1,4]
पीएच.डी. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. रेखा मेहरोत्रा #[2]
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (जेनेटिक्स), एम.फिल. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी) दिल्ली विश्वविद्यालय

जैव रसायन विभाग

डॉ. साधना जैन #
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी.
(बॉयोकैमिस्ट्री), दिल्ली विशिविद्यालय

जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. राधिका बक्शी
(प्रोफेसर)
पी.एचडी. (बॉयोकैमिस्ट्री) ए.आई.आई.एम.एस.,
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) दिल्ली विश्वविद्यालय
अवकाश पर डीयू के इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स में निदेशक पद पर

डॉ. श्रुति बंसवाल #
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी)
आई.ए.आर.आई., दिल्ली, एम.एससी.
(प्लांट मोलिक्यूलर बॉयोलॉजी) दिल्ली विश्वविद्यालय

जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग

डॉ. वर्षा मेहरा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोमेडीकल साईंस), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (बॉयोटेक्नालॉजी), जे.एन.यू

डॉ. मौ. साकिब अन्सारी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री),
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) बुन्देलखंड विश्वविद्यालय

डॉ. इन्दु अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (कैमिस्ट्री), एम.एससी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली विश्वविद्यालय

रसायन विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. जसजीत कौर #
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोटेक्नालॉजी), एम.एससी. (कैमिस्ट्री),
पंजाब विश्वीविद्यालय, पटियाला

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

डॉ. सुरुचि चावला
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (सी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.टेक. (सी.एस.ई.), कुरूक्षेत्रा विश्वविद्यालय

संगणक विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. दीपाली बजाज*
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. डी.यू., एम.फिल. (कम्प्यूटर साईंस), मदुरई कामराज
विश्वविद्यालय, एम.सी.ए. (इग्नू), दिल्ली

डॉ. आकांक्षा
(एसोसिएट प्रोफेसर) पीएच.डी. (सी.एस.), डी.यू.
एम.फिल. (सी.एस.), मदुरई कामराज विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (सी.एस.), बनस्थली विद्यापीठ

इलेक्ट्रॉनिक विभाग

सुश्री वेनिका गुप्ता
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

सुश्री प्रीति सिंघल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

डॉ. दीपा जोशी #
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (डेयरी), एन.डी.आर.आई., करनाल,
एम.एससी. (एफ.टी.), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

प्रोफेसर डॉ. रंजना सिंह
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (फूड टेक्नॉलॉजी), एम.एससी.
(फूड टेक्नॉलॉजी), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. परा धोलकिया
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (गृह विज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय
एम. एससी. खाद्य एवं पोषण , एम. एस. युनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा

इलेक्ट्रॉनिक विभाग

डॉ. दया भारद्वाज #[3]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी., टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (एम.आई.सी.ए.) जीवाजी विश्वविद्यालय

प्रोफेसर डॉ. स्नेहा काबरा
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (इलैक्ट्रॉनिक्स),
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), डी.यू

गणित विभाग

प्रोफेसर डॉ. पुनीता सक्सेना #
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (मैथेमैटिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया,
एम.फिल., एम.एससी. (मैथेमैटिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

भौतिकी विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. अलका वोहरा कुंअॅर#
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी),
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रभारी प्राध्यापक, संबंधित विभाग / 1 समन्वयक, वित्तीय और प्रबंधन अध्ययन विभाग /
2 समन्वयक, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग / 3 समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग / 4 समन्वयक, सांख्यिकी विभाग

जैव रसायन विभाग

"नवाचार हमारी परंपरा है"

यह विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन कार्यक्रम प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में जीवन के अणुओं, कोशिका जीवविज्ञान, प्रोटीन, एंजाइम, जीन संरचना, मानव शरीर क्रिया विज्ञान, संक्रामक रोगों, पादप जैव रसायन, आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान आदि जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और औद्योगिक नौकरियों के चयन में सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें अन्य कार्यक्रमों की तुलना में एक विशेष बढ़त प्राप्त होती है। विभाग अकादमिक ब्लॉक के भूतल पर स्थित है।

पिछले वर्षों में, हमारे छात्राओं को विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। कई छात्रा प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, और जामिया मिल्लिया इस्लामिया आदि में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ छात्राओं ने एम्स (AIIMS), डीयूईटी (DUET), पीजीआईएमईआर (PGIMER), हैदराबाद विश्वविद्यालय, और बीएचयू (BHU)जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों की परास्नातक प्रवेश परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्थान भी प्राप्त किया है।

विभाग की प्रयोगशालाएँ बुनियादी उपकरणों से लेकर उन्नत उपकरणों तक सुसज्जित हैं, जिनमें pH मीटर, UV-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शीतित अपकेन्द्रक, इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स, वेस्टर्न ब्लॉटिंग उपकरण, लैमिनार हूड, पीसीआर (PCR) आदि शामिल हैं। ये सभी उपकरण स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत आवश्यक प्रयोगों को करने के लिए उपलब्ध हैं।

विभाग छात्राओं को छोटे शोध परियोजनाओ पर कार्य करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। कुछ छात्रा परियोजनाओं को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया और वहां उन्हें सराहा भी किया गया। इसके अतिरिक्त, छात्राओं को नियमित रूप से अनुसंधान संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों जैसे कि ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (THSTI), रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (RCB), डाबर रिसर्च फाउंडेशन, और दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर आदि में शैक्षणिक भ्रमण पर भी ले जाया जाता है।

- **सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ**
- विनकुलम, विभाग की निर्वाचित छात्रा समिति, नियमित रूप से सेमिनार, बौद्धिक वार्तालाप, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पूर्व छात्रा मिलन, तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त व्यक्तित्वों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करती है।
- विभाग की एक अन्य प्रमुख विशेषता इसका वार्षिक टेक-फेस्ट "एलिक्सिर" और वार्षिक विभागीय पत्रिका 'अनलॉकिंग माइंडस' है।
- छात्राओं को मानसिक शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से, विभाग शैक्षणिक और मनोरंजक यात्राओं का भी आयोजन करता है।
- विभाग में नियमित रूप से मेंटॉर (शिक्षक) - मेंटी (छात्रा) बैठकें आयोजित की जाती हैं। इसके साथ ही, धीमी गति से सीखने वाले छात्राओं के लिए स्वैच्छिक छात्रा मेंटॉर भी नियुक्त किए जाते हैं।

इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है और छात्राओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है।

जैवचिकत्सा विज्ञान विभाग

बी.एससी. (ऑनर्स) जैवचिकत्सा विज्ञान, एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो NEP योजना के अंतर्गत आता है। यह विभाग वर्ष 2005 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य जैविक विज्ञान में करियर के लिए छात्राओं को एक मजबूत ज्ञान आधार और आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

इस कोर्स में मानव शरीर क्रिया विज्ञान, फार्माकोलॉजी, आनुवंशिकी, जैव रसायन, प्रतिरक्षा विज्ञान, रोगविज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, जैवभौतिकी, विषविज्ञान, जैवसांख्यिकी, जैव प्रौद्योगिकी और औषधीय रसायन विज्ञान जैसे विषयों के क्रेडिट शामिल हैं। इसका पाठ्यक्रम इसे एक अंतःविषय पाठ्यक्रम बनाता है जो छात्राओं को जैविक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए सक्षम बनाता है। विभाग में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें थर्मो-साइकलर, UV स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स, सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर, शेकर्स, ऑटोक्लेव, रोटरी वैक्यूम, लैमिनार फ्लो और एनिमल सेल कल्चर फैसिलिटी जैसे नवीनतम उपकरण मौजूद हैं।

विभाग की छात्रा संस्था "काइमेरा" सेमिनार और परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित करती है, जिनमें प्रतिष्ठित शिक्षाविद और उद्यमी शामिल होते हैं ताकि छात्रा नवीनतम शोध और तकनीकी विकास से अपडेट रहें। विभाग का वार्षिक वैज्ञानिक उत्सव "प्लेक्सस" छात्राओं द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें वे वैज्ञानिक व बौद्धिक चर्चाओं में भाग लेती हैं। विभाग नियमित रूप से संगोष्ठी एवं कार्यशाला भी आयोजित करता है।

विभाग के बहुविषयी फैकल्टी- जीवों की आणविक, कोशिकीय और शारीरिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करते हैं। विभाग अनुसंधान परियोजनाओं, छात्रा इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी करता है। RCB, डाबर इंडिया लिमिटेड, NBRC, JNU, AIIMS, और ICGEB जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के दौरे आयोजित किए जाते हैं।

यह कोर्स छात्राओं को आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान दोनों में अनुसंधान के लिए आवश्यक ज्ञान और हस्तांतरणीय कौशल प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम से स्नातक छात्रा फार्मास्युटिकल कंपनियों में कार्य करते हैं या TIFR, IISERs, IISc, NII, JNU जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

यह पाठ्यक्रम छात्राओं को स्व-रोजगार विकल्पों जैसे नैदानिक (डायग्नोस्टिक) प्रयोगशाला खोलना, फ्रीलांस लाइसेंस प्राप्त करना, या जैव प्रौद्योगिकी यूनिट स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम छात्राओं को अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान (Applied Biology) में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग NEP के अंतर्गत चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग में चार सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें एक अनुसंधान प्रयोगशाला भी शामिल है। ये प्रयोगशालाएँ रसायन विज्ञान की तीन प्रमुख शाखाओं – अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन – की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अनुसंधान प्रयोगशाला में कई शोध परियोजनाएँ एवं नवाचार परियोजनाएँ भी सफलतापूर्वक की गई हैं।

प्रयोगशालाएँ विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं, जैसे कि यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक तुला, माइक्रोप्रोसेसर-आधारित सेंट्रीफ्यूज (16,000 आरपीएम), हॉट प्लेट वाले मैग्नेटिक स्टिरर, वॉर्टेक्स शेकर, रोटरी वैक्यूम पंप, रोटरी एवपोरेटर, आइस मेकर, डीप फ्रीज़र, डिजिटल पीएच मीटर, डिजिटल और इलेक्ट्रिक मेल्टिंग पॉइंट उपकरण, डिस्टिलेशन यूनिट, फ्यूम हूड आदि।

विभाग के छात्रा विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और कॉलेज की विभिन्न समितियों के सदस्य होते हैं। इसके अलावा, वे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन और सेमिनार में भाग लेते हैं ताकि रसायन विज्ञान और संबंधित विषयों में नवीनतम नवाचारों और विकास से अवगत रह सकें। विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएँ उनके शोध कौशल को और बेहतर बनाती हैं।

विभाग में एक जीवंत रासायनिक समिति 'अल्केमी' है, जो छात्राओं और शिक्षकों को कक्षा से बाहर संवाद का मंच प्रदान करती है। यह समिति प्रतिष्ठित विद्वानों और वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान नियमित रूप से आयोजित करती है ताकि सदस्यों को रसायन विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत कराया जा सके। वार्षिक तकनीकी उत्सव और कार्यशालाएँ छात्राओं को अनुभव प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती हैं। छात्राओं को इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में भाग लेने के भरपूर अवसर मिलते हैं। शैक्षिक भ्रमण छात्राओं को कक्षा से बाहर भी शिक्षा प्रदान करते हैं।

छात्राओं का चयन परास्नातक एवं शोध कार्यक्रमों के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में हुआ है, जैसे – दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान {बीएचयू (वाराणसी), चेन्नई, धनबाद, गांधी नगर, गुवाहाटी, जोधपुर, मुंबई, रुड़की}, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (मोहाली, पुणे), टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (दिल्ली), जामिया हमदर्द (दिल्ली), भारतीय प्रबंधन संस्थान (रांची), यूनिवर्सिटी ऑफ बफेलो (न्यूयॉर्क, अमेरिका), यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो (यू.के.), यूनिवर्सिटी कॉलेज, डबलिन (आयरलैंड), फ्राई यूनिवर्सिटैट बर्लिन (जर्मनी), तथा कई अन्य।

कम्प्यूटर सांइस विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग वर्ष 1998 में स्थापित किया गया था। विभाग बी. एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा और संरचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित है। यह पाठ्यक्रम गणित आदि के साथ मुख्य कंप्यूटर विज्ञान विषयों सहित सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उम्मीदवारों के लिए आवश्यक जोर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम व्यापक प्रयोगशाला सत्र प्रदान करता है जहां छात्र सिद्धांत में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करते हैं। विभाग उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विभिन्न कार्यशालाएं/ तकनीकी वार्ता/ सेमिनार भी आयोजित करता है जो छात्रों के तकनीकी ज्ञान के आधार को मजबूत करने में सहायता करता है। छात्रों को प्रदान की गई विविध विशेषज्ञता उन्हें आईटी और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसर सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। विभाग के छात्रों को विभिन्न आईटी उद्योगों जैसे विप्रो टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, एक्सेंचर, एचसीएल, टेक महिंद्रा आदि में प्लेसमेंट मिला। छात्र एम.एससी, एम.सी.ए. जैसे विभिन्न स्नातकोत्तर पातयक्रम भी कर सकते हैं और रोजगार अपनाने के विकल्प के अलावा विभाग के पूर्व छात्र ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय जेएनयू, आईबाईटी, लैबटन कॉलेज, कनाड़ा आदि जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। छात्रों के समग्र विकास के लिए, विभाग की छात्र परिषद् हर साल इंटर कॉलेज वार्षिक तकनीकी उत्सव 'टेक मेलांज' का आयोजन करती है।

विभाग नवीनतम सॉफ्टवेयर विकास उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। विभाग के पास अच्छी तरह से सुसज्जित आईसीटी सक्षम प्रयोगशालाएं हैः-

- नवीनतम कंप्यूटर कॉन्फिगरेशन के साथ 127 कप्यूटर (इंटेल कोर i7, 20 जीबी रैम और 16 जीबी रैम के साथ 3.4 गीगाहट्र्ज प्रोसेसर, 64-बिट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम और क्विक हील सुरक्षा कवच)।
- 4 लेजर प्रिंटर, 1 मल्टी-फंक्शन प्रिंटर और 2 स्कॅनर।
- छात्रों के व्यावहारिक अनुभव को समृद्ध करने के लिए लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर और फ्री/ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का अच्छा संयोजन।
- प्रत्येक प्रयोगशाला में मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और दो पोर्टेबल प्रोजेक्टर होते हैं, जिनका उपयोग सेमिनार और प्रस्तुतियों के लिए शिक्षण सहायता के रूप में किया जाता है।

इनमें माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोफेशनल 2021, टैली आर.पी.9, आईपीईईई पाइसप, स्टूडियो प्रोलॉग, मल्टीमीडिया टूल्स जैसे हैट लिंक्स, लेटेक्स और ताक यूटिलिटीज, विजुअल स्टूडियो, नोमजेन जावा एंड डेवलपमेंट किट, सीपीयू सिमुलेटर, पीकेए, ओरेकल, इंटीग्रेटेड स्टूडियो, एनकोडिंग सॉफ्टवेयर, MySQL, सी++ कोड, नोजल, XAMPP, MASM आदि शामिल हैं। छात्रों के बीच शोध कार्य की भावना को बढ़ाने के लिए प्रयोगशालाएं छात्रों को ई-जर्नल प्रदान करने के लिए इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित हैं।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के पास एक सिस्को सीसीएनए (सिस्को प्रमाणित नेटवर्क एसोसिएट) लैब भी है, जहां छात्रों को CISCO राउटर, स्विच, ब्रिज आदि के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग के पास सर्वर रूम, कार्यालय सह विभागीय पुस्तकालय, म्यूजिक रूम और शिक्षण कक्ष जैसे विभिन्न उपरिगामी कक्ष भी हैं। प्रयोगशाला कार्य को सुचारुतापूर्वक प्रभावित करने के लिए विभाग के पास कुशल प्रयोगशाला कर्मचारी हैं, जिनमें तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक और प्रयोगशाला परिचारिका शामिल हैं।

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग बी. एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, एक डिग्री कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रोग्राम बुनियादी से लेकर उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों के पास उच्च शिक्षा के लिए कई रास्ते हैं जैसे कि एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम. सी.ए., एम.बी.ए. आदि। इस कार्यक्रम के पूरा होने पर छात्रों के पास कैरियर के कई अवसर हो सकते हैं। विभाग के पास संघार इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल और एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसी अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ है। ये प्रयोगशालाएँ डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, फंक्शन जनरेटर, बिजली आपूर्ति, मल्टी मीटर, व्यावहारिक ट्रेनर किट, परिष्कृत माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर ट्रेनर से सुसज्जित हैं। किट आदि के साथ-साथ उनके सॉफ्टवेयर जैसे मैटलैब, मल्टीसिम्, एक्सिलिनक्स और एलटीस्पाइस भी शामिल हैं। दो इलेक्ट्रॉनिक्स सिमुलेशन प्रयोगशालाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन सिमुलेशन के लिए 50 से अधिक नवीनतम कंप्यूटरों से सुसज्जित हैं। सिमुलेशन, प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, वेबिनार और अनुसंधान के लिए नवीनतम कंप्यूटरों में छात्रों और कर्मचारियों को वेव तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। विभाग के पास संकाय और छात्रों के लिए एक बुक बैंक भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में नए विकास और हालिया रुझानों को कारगर बनाने के लिए छात्रों के लिए सक्रिय रूप से सेमिनार, बेबिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सामुदायिक सेवाओं में शामिल होने के लिए छात्रों का समर्थन करके मूल्य-आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा देता है। विभाग की अपनी छात्र सोसायटी है जिसका नाम 'विद्युत है। यह सोसायटी संकायों के साथ मिलकर प्रतिवर्ष तकनीकी उत्सव इलेक्ट्रोमेनिया के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी गतिविधियों का आयोजन करती है। छात्र परिषद् छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान और विकास की जानकारी देने के लिए एक द्विवार्षिक पत्रिका 'इलेक्ट्रोवेडा" प्रकाशित करती है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान के प्रति प्रेरित छात्रों के लिए संस्थान इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान करता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

"नवाचार ही हमारी जीवनशैली है।"

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है, जिसमें बेसमेंट क्षेत्र में 2 पायलट प्लांट हैं। यह विभाग NEP 2020 के अनुसार बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें कई निकास बिंदु हैं। यह 4 वर्षीय कार्यक्रम है जिसमें अंतिम वर्ष में अनुसंधान परियोजनाएं भी शामिल हैं। विभाग में 5 स्थायी प्राध्यापक, 1 अतिथि प्राध्यापक और 4 अंशकालिक शिक्षक हैं। विभाग में 5 प्रयोगशालाएं हैं: विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला 1 और 2, खाद्य सूक्ष्मजीवविज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य एवं पोषण प्रयोगशाला, और विश्लेषणात्मक यंत्र प्रयोगशाला। इसके अलावा, कल्चर इनोकुलेशन, सैंपल वेटिंग और सैंपल डिज़ाइनिंग के लिए अतिरिक्त कक्ष भी हैं, जो लैमिनार फ्लो चैंबर से सुसज्जित हैं। पायलट प्लांट में कैनिंग यूनिट, निर्जलीकरण यूनिट, फ्लूइडाइज्ड बेड फ्रीज़र, डीप फ्रीज़र, बेकरी और आइसक्रीम यूनिट शामिल हैं। विभागीय पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकें, परियोजना रिपोर्ट और उत्पाद विकास साहित्य उपलब्ध हैं, जिसमें छात्रा और संकाय इंटरनेट और कंप्यूटर की सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण हैं: आर्द्रता मीटर, बर्स्टिंग स्ट्रेंथ टेस्टर, निर्वात ओवन, ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर (डिजिटल और एनालॉग), एब्बेस रिफ्रैक्टोमीटर, पेनिट्रोमीटर, हाइड्रोमीटर, सॉक्सलेट यूनिट, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डिहाइड्रेटर, मफल फर्नेस, पोलरिमीटर, लोविबॉन्ड टिंटोमीटर, केजेलडाहल यूनिट, वैक्यूम एवपोरेटर, कॉब टेस्टर, निर्वात पैकेजिंग मशीन, फर्मेंटर, और आरएम-पीवी एस्टीमेशन असेंबली। बेकरी यूनिट में प्लैनेटरी मिक्सर, बेकिंग ओवन, डो नीडर, ब्रेड स्लाइसर, डफ शीटर, बन कटर, शुगर ग्राइंडिंग मिल है। सूक्ष्मजैविकी प्रयोगशाला में ऑटोक्लेव, इनक्यूबेटर, डिजिटल माइक्रोस्कोप, बाइनोक्यूलर माइक्रोस्कोप, बीओडी इनक्यूबेटर, हाईमीडिया एयर सैम्पलर, मिलीफिल्ट्रेशन असेंबली, लैमिनार एयर फ्लो चैंबर, इलेक्ट्रॉनिक कॉलोनी काउंटर आदि हैं।

एडवांस्ड सुविधाओं में शामिल हैं: HPLC सिस्टम, टेक्सचर एनालाइज़र, एटोमिक एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रैनसिमैट, फैट एनालाइज़र, प्रोटीन एनालाइज़र, रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट और SO2 एस्टीमेशन असेंबली। विभाग को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से पचास लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है ताकि अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जा सकें। वर्तमान सत्र 2024-25 में विभाग ने ड्रॉप टेस्टर, किचन एड मिक्सर, ऑयल प्रेसिंग मशीन, मिलिंग मशीन और डिजिटल माइक्रोस्कोप जैसे नए उपकरण स्थापित किए हैं।

विभाग कॉलेज के अन्य विभागों और विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र, व्याख्यान, संगोष्ठी और वेबिनार का आयोजन करता है ताकि छात्रा वर्तमान गतिविधियों से अवगत रहें। वर्तमान सत्र में विभाग ने "विश्व खाद्य दिवस" मनाया और "सस्टेनेबल फूड चॉइस - मशरूम की खेती" पर प्रो. रेखा मेहरोत्रा द्वारा एक व्याख्यान और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। मार्च माह में "फूड फेलेसिटी" नामक तकनीकी महोत्सव के अंतर्गत अनेक इंटर कॉलेज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किए जाते हैं, जिसमें वे विभिन्न उद्योगों और संस्थानों का दौरा करते हैं जैसे: NDRI-कर्नाल, एंसीट गोल्डन मिलेट्स, मदर डेयरी-दिल्ली, गोगिया फ्लेवर इंडस्ट्री आदि। वर्तमान सत्र में छात्राओं ने DFM फूड्स लिमिटेड (क्रैक्स प्लांट) का भी दौरा किया। छात्राओं को भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला है, जैसे कि CFTRI- मैसूर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग, NDRI- करनाल, NIFTEM-सोनीपत, BHU, PAU, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स आदि। पूर्व छात्रा भी GSK, मदर डेयरी, नेस्ले इंडिया, पेप्सीको, याकुल्ट, FSSAI, BIS आदि में कार्यरत हैं। विभाग का लक्ष्य छात्राओं को नवाचार आधारित उत्पाद विकास और उद्यमिता कौशल के साथ तैयार करना है।

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) कार्यक्रम प्रदान करता है, जो एक सुव्यवस्थित आधारभूत ढांचे और विशेषीकृत प्रयोगशालाओं द्वारा समर्थित है, जिसे अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें शामिल हैं: विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, जिसमें HPLC, GLC, UV-Vis और FTIR स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसे उन्नत उपकरण हैं। बायोमेडिकल प्रयोगशाला, जो ECG, EEG, ELISA और PCR मशीनों से सुसज्जित है। विभाग में इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत मशीनें, और नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशालाएं भी हैं, जिनमें मोटर्स, PID नियंत्रक, और एनालॉग, डिजिटल तथा संचार इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए ट्रेनर किट्स उपलब्ध हैं। माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला 8085, 8086, और 8051 किट्स के साथ MATLAB, LABVIEW और KiCAD के प्रशिक्षण की सुविधा देती है, जो प्रोग्रामिंग और पीसीबी डिज़ाइन पर केंद्रित है। औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला फ्लो मीटर, कैलिब्रेटर जैसे उपकरणों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देती है। पीसीबी फैब्रिकेशन प्रयोगशाला एक अर्ध-स्वचालित CNC मशीन से सुसज्जित है, जो पीसीबी एनग्रेविंग और ड्रिलिंग, सोल्डरिंग स्टेशन और ड्रिलिंग टूल्स की मदद से छात्राओं को सर्किट प्रोटोटाइप और फैब्रिकेशन का गहन प्रशिक्षण देती है। सभी प्रयोगशालाएं कंप्यूटर सिस्टम्स से सुसज्जित हैं जो सिमुलेशन आधारित लर्निंग को सपोर्ट करती हैं।

छात्राओं को नवीनतम तकनीकों से अवगत कराने के लिए, विभाग नियमित रूप से कार्यशालाएं, संगोष्ठी और इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित करता है। 2024–2025 सत्र में, विभाग ने "इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट्स की टेस्टिंग और मापन में उन्नत कार्यक्षमता की खोज" पर एक हैंड्स-ऑन कार्यशाला आयोजित की, जिसका संचालन Agmatel Pvt. Ltd. के विशेषज्ञों ने किया। इसके अलावा, विभाग ने यूनिवर्सिटी ऑफ शेफ़ील्ड की प्रोफेसर मर्लिन डेसूजा द्वारा "भौतिक जलाशय कंप्यूटिंग" पर एक प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन किया। विशेषज्ञ वार्ताओं की एक श्रृंखला ने निम्न विषयों पर ध्यान केंद्रित किया: भारत का सेमीकंडक्टर हब बनने की दिशा में कदम, एआई की भूमिका, STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में महिलाओं का सशक्तिकरण।

डॉ. दया भारद्वाज और डॉ. रेशमा सिन्हा द्वारा मार्गदर्शित एक छात्राओं की टीम ने अपने नवोन्मेषी कार्य के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "विकसित भारत@2047" विषय पर "रीयल-टाइम हार्ट रेट और ऑक्सीजन सैचुरेशन मॉनिटरिंग" पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता। इसके अतिरिक्त, विभाग ने माधवगढ़ फार्म्स में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य टीम निर्माण, सहयोग और बाहरी गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देना था।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

शहीद राजगुरु कॉलेज का प्रबंधन अध्ययन विभाग (DMS) एक सक्रिय और व्यावसायिक रूप से उन्मुख बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज़ (BMS) कार्यक्रम प्रदान करता है। यह कार्यक्रम छात्राओं को विभिन्न उद्योगों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल से सुसज्जित करता है। पाठ्यक्रम में विपणन, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, वैश्विक व्यापार और डिजिटल मार्केटिंग जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध करने हेतु विभाग नियमित रूप से संगोष्ठी, कार्यशालाएं, और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करता है, जिनमें प्रमुख विशेषज्ञ शामिल होते हैं जैसे: श्री रजत अरोड़ा (शिक्षक, उद्यमी और यूट्यूबर), डॉ. वी. अनंथा नागेश्वरन (मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार), श्री कार्तिकेय चोपड़ा (Google के शीर्ष विपणक), सुश्री अम्बिका शुक्ला (पशु अधिकार कार्यकर्ता) और प्रो. जे. सल्दान्हा (IBS गुरुग्राम के प्रसिद्ध प्रोफेसर)।

छात्राओं को फील्ड विज़िट, शैक्षणिक भ्रमण, और सामाजिक सेवा अभियानों के माध्यम से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त होता है, जिससे उनके प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल में सुधार होता है। विभाग का वार्षिक टेक्निकल फेस्ट "ईंडाइरा" छात्राओं को विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यावसायिक दृष्टिकोण को धार देने का अवसर प्रदान करता है। DMS एक समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है, जो आलोचनात्मक सोच और वास्तविक जीवन में उपयोगी कौशलों का विकास करती है।

पूर्व छात्राओं ने INSEAD, IIMs, और FMS जैसे शीर्ष संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है। छात्राओं ने अर्नेस्ट & यंग, बजाज कैपिटल, शेरखान, निति आयोग, और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में इंटर्नशिप की है। इसके अतिरिक्त, कोरीज़ो, एबुलेंट सिक्योरिटीज, प्लैनेटस्पार्क, PRC भारत, टीचनूक, टेक महिंद्रा, VRB कैपिटल सहित कई कंपनियाँ छात्राओं को विभिन्न नौकरी में उनकी भूमिकाओं की पेशकश कर चुकी हैं।

वित्तीय अध्ययन विभाग

नवीनतम BBA (FIA) पाठ्यक्रम वित्त के परिवर्तनीय क्षेत्र का समग्र ज्ञान प्रदान करता है, जिसमें नीति सुधारों, वैश्विक एकीकरण, और प्रौद्योगिकीय नवाचारों से प्रेरित हालिया विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। छात्रा सामान्य कॉर्पोरेट वित्त में दक्षता प्राप्त करते हैं, साथ ही वे बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, निवेश और फंड प्रबंधन, कॉर्पोरेट वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्त आदि जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करते हैं।

विभाग नियमित रूप से सेमिनार, वेबिनार, कैरियर परामर्श सत्र, और गोष्ठियों का आयोजन करता है, जिनमें विशिष्ट वक्ता जैसे: सुश्री शिखा जॉर्जिया (BIAP में वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षक), प्रो. जे. सल्दान्हा (IBS, गुरुग्राम), श्री हविश मध्वपति (संस्थापक, 40 अंडर 40 एनालिटिक्स) और श्री सिद्धार्थ सिंघल (मुख्य शिक्षक, IMS) शामिल होते हैं, जो छात्राओं को उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव और जानकारी प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा निवेशक जागरूकता, वित्तीय मॉडलिंग, पावर BI, केंद्रीय बजट आदि पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। एनएसई (NSE) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षिक भ्रमण छात्राओं के प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

DFS हर वर्ष अपना वार्षिक टेक फेस्ट "ईंडाइरा" भी आयोजित करता है, जो छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने ज्ञान को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है।

विभाग के पूर्व छात्राओं ने आईआईएम (IIMs), HEC मॉन्ट्रियल (कनाडा), और DTU जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है। इसके अलावा, कोरीज़ो, एबुलेंट सिक्योरिटीज, प्लैनेटस्पार्क, PRC भारत, टीचनूक, टेक महिंद्रा, VRB कैपिटल आदि कंपनियाँ हमारे छात्राओं को विभिन्न रोज़गार के अवसर प्रदान कर चुकी हैं।

गणित विभाग

गणित विभाग की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी और तब से यह कॉलेज के कार्य संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) गणित में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है, जो गणित में मुख्य विषय की ओर अग्रसर होता है। यह एक चार वर्षीय कार्यक्रम है जिसमें लचीलापन है-छात्रा एक, दो या तीन वर्षों के बाद भी कोर्स छोड़ सकते हैं और क्रमशः प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या ऑनर्स की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। छात्रा अन्य विभागों से लघु विषय (माइनर कोर्स) भी चुन सकते हैं। विभाग एक समर्पित शिक्षक समुदाय से सुसज्जित है जो शोध-आधारित पद्धतियों पर काम करते हैं। यह समुदाय छात्राओं को गणितीय सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित करता है और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देता है। विभाग का उद्देश्य है – विश्लेषणात्मक सोच, समस्या-समाधान कौशल और गणित की सुंदरता की गहरी सराहना का विकास करना।

विभागीय समाज "रमनार्य" नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएँ और अन्य गतिविधियाँ आयोजित करता है जो विचारों के आदान-प्रदान और गणितीय ज्ञान की उन्नति के मंच प्रदान करती हैं। प्रतिष्ठित गणितज्ञों और विद्वानों के व्याख्यान "अभिज्ञान" श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किए जाते हैं। पूर्व छात्राओं के साथ संवाद "संवाद: पूर्व छात्रा विचार-विमर्श" के माध्यम से किया जाता है। विभाग छात्राओं को शोध में रुचि लेने हेतु प्रेरित करता है और इस दिशा में संगोष्ठी, कार्यशालाएँ व संवाद सत्र आयोजित करता है। छात्राएं इंटर्नशिप और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से व्यापक गणितीय समुदाय से जुड़ते हैं। उन्हें अन्य विभागों के साथ शोध परियोजनाओं और इंटर्नशिप में सहयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। यह अवसर छात्राओं को नेतृत्व कौशल और व्यावसायिक नेटवर्क विकसित करने में सहायता करते हैं, जो उनके भविष्य की आजीविका के लिए आवश्यक हैं।

पाठ्यक्रम इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि छात्रा गणित के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं में पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। पाठ्यक्रम निम्नलिखित भागों में विभाजित है: मुख्य पेपर, विषय-विशिष्ट वैकल्पिक विषय, सामान्य वैकल्पिक विषय, कौशल विकास पाठ्यक्रम, वैल्यू ऐडिशन कोर्स, योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम। छात्राओं को कैलकुलस, वास्तविक और सम्मिश्र विश्लेषण, रैखिक व सार गणित, रैखिक प्रोग्रामिंग, ग्राफ थ्योरी, गणितीय डाटा साइंस और गणितीय पाइथन जैसे विषयों का गहन अध्ययन करने का अवसर मिलता है। विभाग में उच्च गति इंटरनेट सुविधा से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें शिक्षण और शोध को सपोर्ट करने के लिए सॉफ्टवेयर जैसे मैथेमैटिका, R, LaTeX और HTML इंस्टॉल हैं।

कोर्स पूरा करने के बाद छात्राएं अनुसंधान प्रयोगशालाओं, बैंक, कॉरपोरेट, शिक्षण, सिविल सेवाओं आदि में कार्य कर सकते हैं या उच्च शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में M.Sc., Ph.D., MCA या MBA जैसे कोर्स कर सकते हैं। छात्राओं के समग्र विकास के लिए विभाग उन्हें सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करता है ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व के समावेश के साथ "सीखने की संस्कृति" को अपनाएँ।

सूक्ष्मजैविकी (माइक्रोबायोलॉजी) विभाग

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमेन, सूक्ष्मजैविकी विभाग वर्तमान में बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। सूक्ष्मजीव हमारे दैनिक जीवन में गहरा प्रभाव डालते हैं – वह पर्यावरण को संतुलित करने में, औद्योगिक कार्यों में सहायक के रूप में या फिर संक्रामक रोगों के कारक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सूक्ष्मजैविकी का अध्ययन छात्राओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्युटिकल उद्योग, कृषि उद्योग, बायोटेक्नोलॉजी, खाद्य एवं पेय पदार्थ उद्योग, और हरित नौकरियों (ग्रीन जॉब्स) जैसे विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर प्रदान करता है। विभाग का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को इस विषय का ज्ञान देना नहीं, बल्कि अनुसंधान और कौशल विकास के माध्यम से उनका समग्र विकास करना है, ताकि वे इंडस्ट्री में बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें। विभाग में विशाल और आधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें अलग-अलग मीडिया तैयारी कक्ष, बायो-इंस्ट्रूमेंटेशन कक्ष, इनोक्यूलेशन कक्ष और कल्चर रूम शामिल हैं। यहां की इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी में बुनियादी से लेकर उन्नत उपकरण उपलब्ध हैं। हमारे छात्रा प्रतिष्ठित भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में, हमारी एक छात्रा ने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता है। विभाग छात्राओं को अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें शोध लेख प्रकाशित करने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। विभाग द्वारा प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों की शैक्षणिक यात्राएँ (फील्ड ट्रिप्स) आयोजित की जाती हैं। विभाग की एक और विशेषता है इसका लोकप्रिय कौशल विकास पाठ्यक्रम – 'मशरूम की खेती और प्रौद्योगिकी', जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की मशरूम की खेती का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम के परिणामस्वरूप कई छात्राओं को औद्योगिक प्लेसमेंट मिले हैं और कुछ ने अपना उद्यम भी शुरू किया है। विभाग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम और फैकल्टी विकास कार्यक्रम (FDPs) भी नियमित रूप से आयोजित करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र भी है, जिसमें IoT आधारित मशरूम कल्टीवेशन रूम्स हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा इस केंद्र को 'सर्वश्रेष्ठ कौशल केंद्र' का पुरस्कार मिला है। साथ ही, "भारतीय सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ" द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ विभाग' के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। विभाग में एक निर्वाचित छात्रा परिषद 'इथीरियल' भी है, जो राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों और वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक सत्रों का आयोजन करती है। विभाग का तकनीकी वार्षिक उत्सव 'माइक्रोब्लेज़' वैज्ञानिक वार्ताओं और गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धन का अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग की वार्षिक पत्रिका 'एवन्सेण्ट', जिसमें छात्रा एवं शिक्षक विशिष्ट वैज्ञानिक विषयों पर लेख लिखते हैं, भी प्रकाशित की जाती है।

भौतिक विज्ञान विभाग

भौतिकी विभाग बी. एससी (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम में अध्ययन प्रदान करता है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की वर्तमान दुनिया में, जो छोटी और स्मार्ट होती जा रही है, भौतिकी, सबसे छोटी इकाई (क्वार्क, बोसॉन, क्वांटम कंप्यूटिंग, नैनोटेक्नोलॉजी आदि) से लेकर सबसे बड़ी इकाई (ब्रह्मांड) तक का विज्ञान, अनिवार्य रूप से अधिक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो गया है। विभाग का लक्ष्य महिलाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करना है जो उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्र में सशक्त बनाएगा और उन्हें चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उभरने में भी सक्षम बनाएगा। विभाग में तीन सुसज्जित और विशाल प्रयोगशालाएँ और पूरी तरह से वातानुकूलित कम्प्यूटेशनल भौतिकी प्रयोगशाला है। बुनियादी से उन्नत/अनुसंधान स्तर तक सभी आवश्यक भौतिकी व्यावहारिक को पूरा करने के लिए लेब्स हैं जो है-ने लेजर, पोलारिमीटर, स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रिकल ब्रिज, ऑसिलोस्कोप (सीआरओ और डीएसओ), हॉल इफेक्ट, रेजिस्टेंस मीटर, फंक्शन जेनरेटर, आरएफ ऑसिलेटर, मल्टी-आउटपुट पावर सप्लाई, ऑप्टिकल बैंच आदि जैसे अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। कम्प्यूटेशनल लैब में लेटेक्स, साइलैब, फोरट्रान, सी टीना जैसे कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर के साथ सिस्टम स्थापित हैं। पाइथन जीएनयू पलीद, मल्टीसिम आदि जो छात्रों को आवश्यक कम्प्यूटेशनल कौशल से लैस और प्रशिक्षित करते हैं ताकि वे भौतिकी और अन्य समस्याओं को कम्प्यूटेशनल रूप से हल करने में सक्षम हो सकें। विभाग के पास विविध अनुसंधान विशेषज्ञता वाले अत्यधिक जीवंत और प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्रों की शैक्षणिक शिक्षा, करियर, परामर्श आदि के संदर्भ में उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्यधिक अनुभवी और अच्छी तरह से प्रशिक्षित पैरा-शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग के पास विभागीय छात्रा परिषद के नेतृत्व में एक गतिशील सोसायटी, 'टेकीयॉन्स' है, जो विभिन्न विभागीय गतिविधियों - शैक्षणिक के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन करता है। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने और छात्रों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग विभिन्न वार्ता/व्याख्यान, विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं / संस्थानों का दौरा और शैक्षिक यात्राएं आयोजित करता है। विभाग में एक ई-कचरा सोसायटी है, जो कॉलेज में और बाहर ई-कचरा संग्रह अभियान आयोजित करके सामाजिक पहल करती है। ई-कचरा सोसायटी एक गैर-सरकारी संगठन, हिंदुस्तान ई-कचरा प्रबंधन लिमिटेड के साथ सहयोग करती है। बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम में छात्रों को शुद्ध और व्यावहारिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया है। इसने छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाया। बीएससी से स्नातक करने के बाद, हमारे छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों जैसे मैक्स प्लैंक यूनिवर्सिटी बॉन (जर्मनी), पूरू यूनिवर्सिटी (यूएसए), जेएनयू, डीटीयू, एनएसआईटी, दिल्ली विश्वविद्यालय आदि में मास्टर और इंटीग्रेटेड पीएचडी कार्यक्रमों में चुना गया है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग वर्ष 2017 में स्थापित किया गया था और बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान में अध्ययन प्रदान करता है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्र शामिल हैं जैसे मनोविज्ञान की नींव, सामाजिक और सांस्कृतिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, जीवन काल विकास, संगठनात्मक व्यवहार, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति और जैव-मनोविज्ञान। हम अपने छात्रों के बीच एक मजबूत सैद्धांतिक आधार के साथ-साथ उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह अनुसंधान उन्मुख और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है। शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में छात्रों के बीच सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए इंटरैक्शन-आधारित व्याख्यान, ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग, ऑडियो-विजुअल एड्स, मूवी स्क्रीनिंग और शोध लेख शामिल हैं। विभाग के पास पुस्तकों, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और सूची, और परीक्षण उपकरणों की एक आंतरिक पुस्तकालय है; इन सभी का उपयोग डिजाइन किए गए प्रैक्टिकम में किया जाता है। कई शिक्षण शिक्षाशास्त्र और मल्टीमॉडल दृष्टिकोण के माध्यम से, हम छात्रों को कक्षा शिक्षण के भीतर और बाहर अनुसंधान रुचियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विभाग में 'साइमेंशिया' नाम से एक अकादमिक सोसायटी है – जो मानस और विवेक के लिए एक खिड़की है। 2017 से, सोसायटी ने मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कार्यशालाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों जैसी छात्र केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया है। ऐसे सत्र व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और छात्रों के बीच समुदाय की भावना पैदा करते हैं। सोसायटी का मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक विभागीय महोत्सव ट्रेजॉयर है, जिसके दौरान पैनल चर्चा, सेमिनार, कार्यशाला और अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका "सोफ्रोसिन" भी जारी करता है जो इसकी गतिविधियों के विवरण पर प्रकाश डालती है। इस प्रकार विभाग अपने छात्रों के लिए शैक्षणिक और अंतःविषय गतिविधियों में संलग्न होने के लिए एक प्रेरक वातावरण बनाता है।

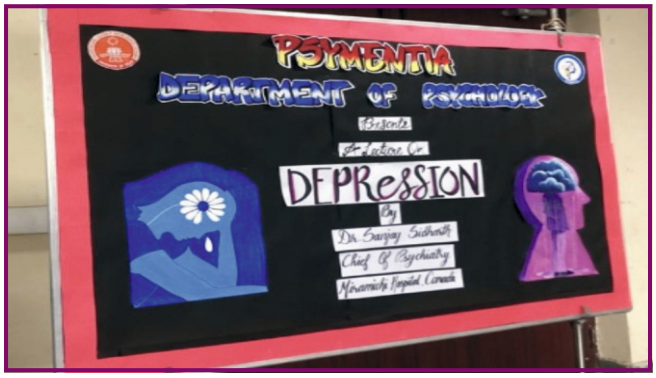

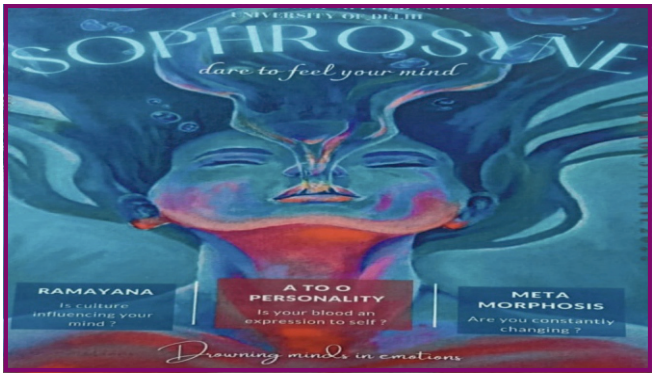

सांख्यिकी विभाग

यह सर्वविदित है कि, मोटे तौर पर सांख्यिकी, अनिश्चितता का अध्ययन है: इसे कैसे मापें (संभावना सिद्धांत में विचारों और विधियों का उपयोग करके), इसके बारे में क्या करें (सांख्यिकीय अनुमान और निर्णय सिद्धांत से अवधारणाओं का उपयोग करके) और यह भी सीखें डेटा के साथ कैसे खेलें: सांख्यिकी डेटा विज्ञान के लिए एक प्रमुख मूलभूत अनुशासन है और हाल के युग में इसका विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग हो रहा है। सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2017 में छात्रों के लिए सांख्यिकी में स्नातक डिग्री कार्यक्रम बी.एससी शुरू करने के उद्देश्य से की गई थी। इस सांख्यिकीय कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र सांख्यिकीय उपकरणों का बुनियादी ज्ञान सीखते हैं और वास्तविक जीवन स्थितियों में इसके अनुप्रयोगों को लागू करते हैं। विभाग का मूल दर्शन शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने छात्रों के बीच न केवल बुद्धि और रचनात्मकता को विकसित करना है, बल्कि उन्हें उनके अतिरिक्त शैक्षणिक और पाठ्चेतर स्वभाव का भी एहसास कराना है, जो समाज का उत्पादक सदस्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी संबंधित प्रमुख विषयों जैसे नमूनाकरण, मॉडलिंग, निर्णय लेना, पूर्वानुमान और बहुत कुछ शामिल है। अध्ययन कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास में पूर्ण अनुभव और सहायता दी जाती है। इसके अलावा, विभाग के पास "पररितका" नाम से एक सोसायटी है जो सोसायटी के बैनर तले प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा दिए गए अधिक अद्यतन सूचनात्मक साख्यिकीय अध्ययनों के आधार पर विभिन्न व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार, वेबिनार और प्रशिक्षण आयोजित करती है। विभाग के पास एक सुसज्जित प्रयोगशाला है जिसके कंप्यूटर सिस्टम पर विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। छात्रों को आर-सॉफ्टवेयर माषा, एसपीएसएस, टीओआरए, मैथमेटिका और एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर कौशल सीखने से विशेषज्ञता मिलती है और स्नातक स्तर की सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ते है। इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र सर्वेक्षण अन्वेषक, सांख्यिकीविद, डेटा विश्लेषक, डेटा वैज्ञानिक आदि के लिए आवेदन कर सकते है।

सहायक विभाग – अंग्रेजी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में अंग्रेजी विभाग, संस्थान के सभी शैक्षणिक विभागों के लिए एक सहायक स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2015 में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम की शुरुआत के अनुरूप स्थापित, विभाग तब से विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। इसकी पेशकशों के एक अनिवार्य हिस्से में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) शामिल हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्नातक पाठ्यचक्रम ढांचे (यूजीसीएफ) के अनुपालन में डिजाइन किए गए है। एसईसी छात्रों के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और उन्हें प्रासंगिक, बाजार-उन्मुख कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बी.ए.सी. छात्रों के बौद्धिक, रचनात्मक और नैतिक विकास को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास में योगदान देता है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, विभाग न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने, रुचि के नए क्षेत्रों में जाने और कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित करता है जो उनके भविष्य के प्रयासों में फायदेमंद होगा। इनके अलावा, विभाग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम व्यापक शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देते हुए छात्रों को उनके मूल पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न विषयों से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। इन जीई पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभाग की आकांक्षा साहित्य की गहन अंर्तदृष्टि का लाभ उठाकर छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्रों को समसामयिक सामाजिक मुद्दों के बारे में स्वतंत्रा और निष्पक्ष राय बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इसके अलावा, अंग्रेजी विभाग शिक्षाविदों से परे अपना समर्थन बढ़ाता है, कॉलेज की सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देता है। इन क्षेत्रों में इसकी भागीदारी सर्वांगीण छात्रों को विकसित करने के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है जो आत्मविश्वास और रीढ़ता के साथ दुनिया का भ्रमण कर सकते हैं। कॉलेज में अंग्रेजी विभाग एक सहायक विभाग के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है, जो महत्वपूर्ण सोच और अंतःविषय सीखने को बढ़ावा देते हुए छात्रों की शैक्षणिक और पाठेतर यात्रा को समृद्ध करता है।

सहायक विभाग – पर्यावरण अध्ययन विभाग

स्नातक अध्ययन के लिए पर्यावरण शिक्षा एनईपी के तहत पहले और दूसरे वर्ष में योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के रूप में प्रदान की जाती है। पेपर में सिद्धात और व्यावहारिक घटक है। ईवीएस विभाग पर्यावरण संबंधी मुद्दों को समझने के लिए ऐसी रणनीतियों बनाने में शामिल है जो सरल, नवीन, प्राकृतिक, मर्मज्ञ, भरोसेमंद, अंतर-अनुशासनात्मक और अंतर सांस्कृतिक हो। पर्यावरण पर जानकारी विभिन्न आयामों को कवर करती है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र, प्राकृतिक संसाधन, सतत विकास, पर्यावरण नीति, प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन, प्रभाव मूल्यांकन, जैव विविधता, पर्यावरणीय नैतिकता और पारंपरिक प्रथाएं जैसे विषय शामिल है। इसके अलावा, यह कार्बन फुटप्रिंट, पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, जीवन चक्र मूल्यांकन (किसी उत्पाद का) और सांख्यिकीय विश्लेषण (डेटा का) जैसे वर्तमान विषयों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान को नवीनीकृत करता है जो पाठ्चक्रम आधारित विषयों से परे है। यह सीख छात्रों में सोच को बढ़ावा देती है और उन्हें स्थायी पर्यावरण की दिशा में कार्रवाई की बढ़ती इच्छा के साथ एकजुट करती है। इसके अलावा, ईवीएस का लक्ष्य परियोजनाओं, सर्वेक्षणों और फील्डवर्क के माध्यम से एक छात्रा की जानकारी को कक्षा में सीखने से परे अभ्यास में लाना है। छात्रों द्वारा विभिन्न परियोजनाएं और सर्वेक्षण किए गए है, उदाहरण के लिए, उनके घरों की कार्बन पदचिह्न गणना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता, अभ्यास और परिवार के दृष्टिकोण का आकलन करने पर सर्वेक्षण, पर्यावरण पर जागरूकता, घर पर उनके कंपोस्टिंग सिस्टम का निर्माण आदि। इस प्रकार, ईवीएस विभाग महत्वपूर्ण जांच के माध्यम से अपने छात्रों में जिम्मेदारी और देखभाल नैतिकता की अवधारणा को अधिक व्यक्तिगत से सामाजिक मूल्यों और आगे पर्यावरणीय मूल्यों तक ले जाता है।

सहायक विभाग-शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद विभाग

विद्यार्थियों को देश का भविष्य माना जाता है। उनके स्वास्थ्य को पोषण देना होगा ताकि वे देश की प्रगति के लिए आवश्यक पावर हाउस बन सकें। इस दर्शन को ध्यान में रखते हुए कॉलेज शिक्षाविदों के साथ-साथ खेल गतिविधियों पर काफी ध्यान केंद्रित करता है और छात्रों को विभिन्न प्रकार के खेलों और खेलों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो हमारे कॉलेज और बाहर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज निम्नलिखित तरीकों से शारीरिक शिक्षा और खेल प्रदान करता है-

1. **खेल सुविधाएं:** कॉलेज एथलेटिक्स, एरोबिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रॉस कंट्री, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, खो-खो, बॉलीबॉल, टेबल टेनिस और योग के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इसके परिसर में एक सुसज्जित जिम है। ये छात्रों के लिए खुली है। विभाग समय-समय पर विभिन्न फिटनेस कार्यक्रम और शिविर भी आयोजित करता है।
2. **टूर्नामेंट में भागीदारी:** हमारे छात्र नियमित रूप से डीयू इंटर कॉलेज टूर्नामेंट के साथ-साथ जिला स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर और इंटर यूनिवर्सिटी स्तर पर टूर्नामेंट में भाग लेते हैं और अपनी खेल उपलब्धियों के माध्यम से कॉलेज को गौरवान्वित करते हैं। कॉलेज सभी आवश्यक बैंक अप सहायता प्रदान करता है।
3. **स्पर्धा:** कॉलेज अपनी वार्षिक खेल उत्सव 'स्पर्धा' आयोजित करता है, जिसमें निकोलस्थानी की टेमि भने के लिए मामंत्रित की जाती है। 'स्पर्धा', जो कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है, प्रतिभागियों को अपने खेल कौशल, नेतृत्व और सौहार्द का प्रदर्शन करने का एक महत्वपूर्ण मंब प्रदान करता है। स्पर्धा 2017 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के 25 विभिन्न कॉलेजों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और नी खेत प्रतियोगिताओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
4. **इंट्रा-म्यूरल्स:** कॉलेज इंट्रा-म्यूरल्स का आयोजन करता है, जहां कॉलेज के छात्र, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी 'विभिन्न खेल आमोजनों में भाग लेते हैं
5. **शिक्षण के विषय के रूप में शारीरिक शिक्षा:** शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग बीएससी (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा और बी.ए.सी. (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) में सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है।

स्पर्धा - 2025

सुविधाएं@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

कॉलेज में लगभग 600 लोगों की बैठने की क्षमत्ता वाला एक हाई-टेक ऑडिटोरियम, एक सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया एम्फीथिएटर, कई सेमिनार हॉल, कक्षाएं, अच्छी तरह से सुसज्जित जिम, सुंदर उद्यान और अच्छी तरह से बनाए रखा लॉन हैं। इसमें एक ऑन कैंपस छात्रावास भी है जिसमें लगभग 120 छात्र रहते हैं। कॉलेज छात्रावास, छात्रों को रहने के लिए एक साफ, स्वच्छ और आरामदायक जगह देता है।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में लगभग 22500 किताबें, 20 मुद्रित पत्रिकाएँ और है; और मौलिक विज्ञान के सभी पहलुओं को कवर करने वाले कई वैज्ञानिक विश्वकोश और पत्रिकाएँ। पुस्तकालय यूजीसी-इन्फोनेट डुलिस इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और इनपिलबनेट के एनएलआईएसटी के माध्यम से बड़ी संख्या में ई-संसाधनों की सदस्यता लेता है। इसमें संदर्भ और उद्धरण स्रोतों पर 11 ऑनलाइन डेटाबेस, ग्रंथ सूची स्रोतों पर 7 ऑनलाइन डेटाबेस, उद्धरण विश्लेषण संसाधनों पर 2 ऑनलाइन डेटाबेस, वित्तीय और सांख्यिकीय स्रोतों पर 5 ऑनलाइन डेटाबेस, डॉक्टरेट थीसिस पर एकल डेटाबेस और पूर्ण पाठ स्रोतों पर 77 ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं। 80 कंप्यूटरों वाली तीन वाई-फाई कप्यूटर प्रयोगशालाओं वाली लाइब्रेरी में लगभग 49270 ई-जर्नल और 97000 ई-पुस्तकें उपलब्ध है।

पुस्तकालय के संस्थागत भंडारों में खाद्य प्रौद्योगिकी के तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किए गए नए उत्पाद विकास जैसी डिजिटल सामग्री है। अन्य महत्वपूर्ण परियोजना रिपोर्ट, प्रश्न पत्र, पाठधक्रम को भी पुस्तकालय द्वारा डिजिटलीकृत किया जाता है।

कॉलेज की लाइब्रेरी आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) सक्षम है, जिसका उपयोग हाउसकीपिंग संचालन के लिए किया जा रहा है। यह प्रणाली सुरक्षा से आगे बढ़कर एक ट्रैकिंग प्रणाली बन गई है जो संपूर्ण पुस्तकालय में सामग्रियों की अधिक कुशल ट्रैकिंग के साथ सुरक्षा को जोड़ती है, जिसमें आसान और तेज चार्ज और डिस्चार्ज, इन्वेंट्री. सामग्री प्रबंधन और पुस्तकों की आसान वापसी के लिए स्वचालित बुक ड्रॉप कियोस्क का उपयोग किया जाता है।

इस प्रणाली में सेल्फ-सर्कुलेशन डेस्क, स्टाफ वर्क स्टेशन, सुरक्षा द्वार, बुक ड्रॉप बॉक्स, आरएफआईडी रीडर, पुस्तक के लिए आरएफआईडी स्टिकर, प्रत्येक पुस्तक लेनदेन के लिए एसएमएसई-मेल सेवाएं शामिल हैं।

सुविधाएं@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

अन्य बुनियादी सुविधाएं

उपरोक्त के अलावा, कॉलेज में एक एम्फीथिएटर, व्याख्यान थिएटर, सम्मेलन कक्ष, संकाय के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित स्टाफ-रूम, कैफेटेरिया, छात्रावास और एक हरा-भरा खेल का मैदान भी है। स्टाफ-रूम में कैफे कॉफी डे द्वारा चाय / कॉफी वितरण मशीनें स्थापित की गई हैं।

Hostel

Conference Room

Amphitheater

Playground

e-Library

The Cafeteria

सुविधाएं@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

बहुविषयी अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (CMRIE)

कॉलेज में बहुविषयी अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य छात्राओं में अनुसंधान मानसिकता, नवाचार और उद्यमिता को विकसित और क्रियान्वित करना है। यह केंद्र कॉलेज और उसके आस-पास नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता वातावरण एवं स्टार्ट-अप संस्कृति को विकसित करने, समृद्ध करने और पोषित करने का लक्ष्य रखता है। यह केंद्र छात्राओं, शिक्षकों, पूर्व छात्राओं और मेंटर्स के लिए आसानी से उपलब्ध और व्यापक संसाधनों का एक ऐसा तंत्र बनाने की आकांक्षा रखता है, जो युवा उद्यमियों को प्रेरित कर सके। इसका मिशन उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है, जिसके तहत एक प्री-इन्क्यूबेशन सेटअप प्रदान किया जाता है और उसे एक सफल उद्यम में परिवर्तित करने की दिशा में कार्य किया जाता है। यह केंद्र महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए भी कार्य करता है और उन्हें अपने अनुसंधान या व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए प्रेरित करता है। केंद्र विशेष रूप से सामाजिक उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। कॉलेज, वर्ष 2023-24 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) द्वारा केंद्र के लिए दिए गए 4.0 लाख रुपये के अनुदान हेतु आभार प्रकट करता है है। इस धनराशि का उपयोग केंद्र की मूलभूत संरचना तैयार करने और उसकी गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में किया गया है।

CMRIE की वेबसाइट का शुभारंभ 10 अक्टूबर 2022 को किया गया।

शोध

अनुसंधान महाविद्यालय की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। कॉलेज पर्याप्त और नवीनतम बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है और बहु-विषयक अनुसंधान, प्री-इन्क्यूबेशन और उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है। अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज ने अपने जर्नल - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (IJAMR) का प्रकाशन शुरू किया है।

2024-25 के लिए शोध डेटा: शोध पत्र (16); सम्मेलन की कार्यवाही में पुस्तकें/अध्याय और प्रकाशन (14); चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (1)।

ATL सारथी

अटल नवाचार मिशन (AIM) ने पूरे देश में अटल टिंकरिंग लैब्स (ATL) की स्थापना की है। AIM ने 'ATL सारथी' पहल की शुरुआत की है, जो ATL का क्लस्टर-आधारित प्रबंधन है। इसका संचालन उच्च-प्रदर्शन करने वाले स्कूल प्राचार्यों, शिक्षकों, मार्गदर्शकों और एक स्थानीय नोडल संस्थान की समिति द्वारा किया जाता है।

AIM ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन को पूर्वी दिल्ली और नोएडा क्षेत्र में 'ATL सारथी' पहल का नोडल संगठन प्रस्तावित किया है।

कॉलेज ने ATL सारथी के अंतर्गत पूर्वी दिल्ली और नोएडा क्षेत्र के 26 स्कूलों को मेंटरशिप प्रदान की है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कॉलेज द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- "कॉस्मेटिक्स निर्माण" पर कार्यशाला – यह कार्यशाला 28 मार्च 2025 को स्कूल शिक्षकों के लिए आयोजित की गई थी। इसे डॉ. शुचि ढींगरा और डॉ. अंजीता रानी, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन द्वारा संचालित किया गया।
- "जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस" पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला – यह कार्यशाला बाल भवन पब्लिक स्कूल के स्कूली छात्राओं के लिए 28 मार्च 2025 को आयोजित की गई थी। इसे डॉ. हेमंत, सहायक प्रोफेसर, जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन द्वारा संचालित किया गया।

सुविधाएं@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (TBI)

कॉलेज को प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (TBI) स्थापित करने की अनुमति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)-DI, नई दिल्ली द्वारा फरवरी 2018 में प्रदान की गई थी। इस इनक्यूबेटर का मिशन प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्ट-अप्स की स्थापना और विकास को प्रोत्साहित करना है। प्रस्तावित TBI में निम्नलिखित सुविधाएँ शामिल हैं: कार्य स्थान (Space), प्रयोगशालाओं के उपकरणों का साझा उपयोग, प्रत्यक्ष व्यावसायिक सहायता, मेंटरशिप (मार्गदर्शन), पूंजी एवं अन्य तकनीकी संसाधनों तक नेटवर्किंग आदि। इस मिशन को पूरा करते हुए, TBI का उद्देश्य रोजगार सृजन और स्वावलंबन के माध्यम से बिना किसी बाहरी सहायता के इनक्यूबेटर को चलाने के लिए राजस्व उत्पन्न करना है।

वर्ष 2024-25 की गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

- 11 नवंबर 2024 को SRCASW में MSME आइडिया हैकाथॉन 3.0 (महिला) के अंतर्गत प्राप्त विचारों की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन किया गया।
- Enactus स्टार्टअप (बेकरी और फलों पर आधारित उत्पाद विकास) के लिए प्री-इन्क्यूबेशन की प्रक्रिया शुरू की गई।
- मशरूम की खेती के लिए प्री-इन्क्यूबेशन की प्रक्रिया की गई।

SPIC MACAY (स्पिक मैके)

भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को युवाओं के बीच बढ़ावा देने हेतु गठित SPIC MACAY एक 45 वर्ष पुराना, गैर-लाभकारी, गैर-राजनीतिक, देशव्यापी स्वैच्छिक युवा आंदोलन है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध, विविध और अमूर्त विरासत तथा उसकी सांस्कृतिक परंपराओं को देश के युवाओं के करीब लाना है।

SPIC MACAY की स्थापना प्रोफेसर किरण सेठ द्वारा वर्ष 1977 में की गई थी। कॉलेज में सत्र 2024-25 के दौरान SPIC MACAY के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं: सिनेमा क्लासिक्स: "द मेकिंग ऑफ़ महात्मा" और "पथेर पांचाली" इन फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम: राजस्थानी लोक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अनवर खान लांगा जी और समूह ने कालबेलिया कलाकारों के साथ प्रस्तुति दी।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम एक सराहनीय पहल है, जिसकी शुरुआत हमारी माननीय प्राचार्या प्रो. पायल मगो द्वारा कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से अक्टूबर 2015 में की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित तबके की स्कूली छात्राओं को आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने दैनिक जीवन में तकनीक का कुशलता से उपयोग कर सकें। इस पहल के माध्यम से छात्राएं आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती हैं, और उन नौकरियों के लिए योग्य हो जाती हैं जहाँ बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता अनिवार्य है।

CLP एक 12 सप्ताह का विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें पाँच मॉड्यूल शामिल हैं: कंप्यूटर विज्ञान की मूल बातें, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का परिचय, एमएस ऑफिस अनुप्रयोग (माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पॉवरपॉइंट, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल), वित्तीय और अन्य ऑनलाइन सेवाओं के लिए इंटरनेट का उपयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) टूल्स और कैन्वा जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का परिचय, जिससे छात्राएं वर्तमान तकनीकों की बेहतर समझ विकसित कर सकें।

अब तक, इस कार्यक्रम की आठ बैचों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जिससे लगभग 425 छात्राओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। यह पहल इन किशोरियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल रही है, उन्हें डिजिटल युग में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान कर रही है।

सुविधाएं@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

NIRF रैंकिंग

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढाँचा (NIRF) द्वारा भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग का आठवाँ संस्करण "इंडिया रैंकिंग्स 2024" 12 अगस्त 2024 को जारी किया गया। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन ने कॉलेज श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर 3,371 प्रतिभागी कॉलेजों में से 38वीं रैंक प्राप्त की है, और इसका स्कोर 58.18 रहा। कॉलेज पिछले सात वर्षों से लगातार शीर्ष 100 कॉलेजों में अपनी स्थिति बनाए हुए है। कॉलेज को वर्ष 2021 में NAAC द्वारा ग्रेड A+ भी प्रदान किया गया था।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढाँचा (NIRF) को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) द्वारा अनुमोदित किया गया था और इसे 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया। यह ढाँचा पूरे देश के संस्थानों की रैंकिंग के लिए एक प्रविधि निर्धारित करता है। यह विधि MHRD द्वारा गठित कोर कमेटी की सिफारिशों और विचार-विमर्श पर आधारित है, जो विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की रैंकिंग के लिए प्रमुख मानदंडों की पहचान करता है। मुख्य मूल्यांकन मापदंड इस प्रकार हैं: "शिक्षण, अधिगम और संसाधन", "अनुसंधान और व्यावसायिक प्रथाएँ", "स्नातक परिणाम", "संपर्क और समावेशन", "धारणा"।

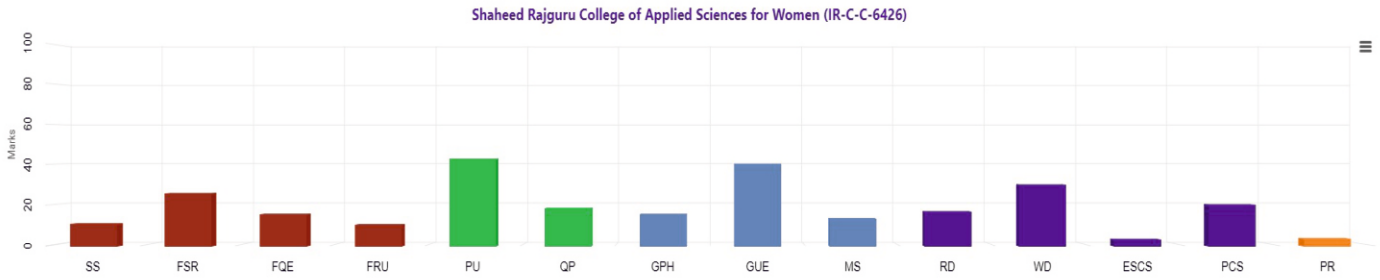

	TLR				RP		GO			OI				PR
	SS	FSR	FQE	FRU	PU	QP	GPH	GUE	MS	RD	WD	ESCS	PCS	PR
Score	10.40	25.66	15.44	10.30	42.68	18.27	15.25	40.00	13.01	16.58	30.00	2.82	20.00	3.13
Total	20.00	30.00	20.00	30.00	70.00	30.00	40.00	40.00	20.00	30.00	30.00	20.00	20.00	100.00

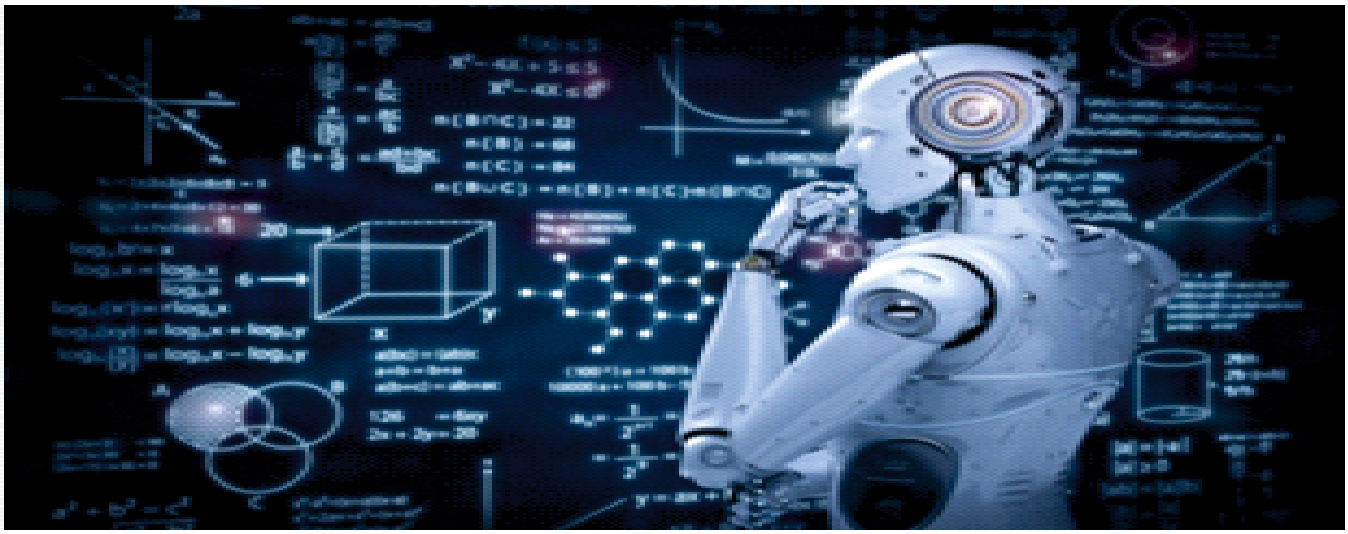

कॉलेज समितियां

प्लेसमेंट सेल

प्लेसमेंट सेल एक मज़बूत और कुशल रूप से कार्यरत इकाई है, जो कॉलेज के सभी 14 विभागों में कैंपस प्लेसमेंट को केंद्रीय रूप से प्रबंधित करती है। इसके संचालन में कंपनियों और छात्राओं दोनों को व्यापक सहायता दी जाती है। चूंकि इस वर्ष छात्राओं ने NEP के तहत चौथे वर्ष का विकल्प चुना, प्लेसमेंट सेल ने केवल प्लेसमेंट को ही नहीं, बल्कि कौशल-आधारित इंटर्नशिप अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया। यह बहुआयामी दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि छात्राएं न केवल रोजगार के अवसर प्राप्त करें, बल्कि व्यावसायिक दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव भी विकसित करें।

प्लेसमेंट सीज़न को दो चरणों में विभाजित किया गया है:

- चरण 1: अगस्त से दिसंबर
- चरण 2: जनवरी से अप्रैल

गतिविधियाँ:

आभासी प्रशिक्षण मेला (वर्चुअल इंटर्नशिप फेयर) का आयोजन 29 मार्च 2025 को किया गया। कई प्रमुख कंपनियों ने इसमें भाग लिया और छात्राओं को अपनी कौशल प्रदर्शित करने व प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए।

उपलब्धियाँ:

- वित्त वर्ष 2024-25 में शामिल की गई कुल कंपनियों में से लगभग 40% कंपनियाँ नई थीं, जिन्हें पहले इंटर्नशिप रूप में शामिल किया गया था।
- इस वर्ष इंटर्नशिप परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। मेले के माध्यम से कई छात्राओं को विविध भूमिकाओं में इंटर्नशिप मिली।
- कॉलेज का टेक महिंद्रा, विलिस टावर्स वाटसन, एबुलेंट सिक्योरिटीज जैसी प्रमुख कंपनियों से जुड़ाव हुआ।
- प्लेसमेंट सेल ने डेटा एनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, सेल्स, HR, रिसर्च आदि क्षेत्रों में छात्राओं को अवसर प्रदान किए।

अवसर@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

उद्यमिता विकास क्लब

कॉलेज का उद्यमिता विकास क्लब वर्ष 2015 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य कॉलेज और उसके आसपास उद्यमशील वातावरण का विकास एवं संवर्धन करना है। ईडी सेल (ED Cell) का लक्ष्य छात्राओं, नवोदित पेशेवरों और मार्गदर्शकों जैसे युवा उद्यमियों के लिए सुगम और समर्पित संसाधनों का एक व्यापक सेट प्रदान करना है। यह उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करके अपक्व उद्यमशील ऊर्जा को सफल व्यवसायों में रूपांतरित करने की दिशा में कार्य करता है। ईडी सेल में संस्थान नवाचार परिषद (Institution Innovation Council - IIC) को एक प्रमुख घटक के रूप में शामिल किया गया है। IIC की स्थापना शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा उच्च शिक्षा में नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने हेतु की गई थी। पिछले एक वर्ष में, इस परिषद ने नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह परिषद सक्रिय रूप से प्रभावशाली पहल करती है और छात्राओं में उद्यमशीलता की भावना को पोषित करती है।

क्लब की प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- समस्या समाधान और विचार निर्माण पर कार्यशाला
- रिज़्यूमे संग्रह अभियान
- समस्या की पहचान हेतु फील्ड विज़िट
- "माय स्टोरी" – सफल नवप्रवर्तकों से प्रेरणादायक सत्र
- बौद्धिक संपदा अधिकारों और उनकी महत्ता पर सत्र
- उद्यमियों/स्टार्टअप्स के लिए प्रभावशाली बिक्री और विपणन रणनीतियों पर कार्यशाला
- "स्पार्क टैंक" – व्यापार योजना प्रतियोगिता
- BRICKS द्वारा आयोजित हैकाथॉन में सहभागिता हेतु भ्रमण
- वार्षिक प्रशिक्षण मेला

सिस्को नेटवर्किंग अकादमी

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन ने सिस्को सिस्टम्स के सहयोग से वर्ष 2002 में CISCO नेटवर्किंग अकादमी (CNA) की स्थापना की थी। यह अकादमी छात्राओं को सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट (CCNA) सर्टिफिकेशन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्याधुनिक सिस्को राउटर और स्विच, पूर्णत: सुसज्जित कंप्यूटर लैब, और तेज़ इंटरनेट कनेक्शन से युक्त है, जिससे छात्राओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ प्रशिक्षक-निर्देशित वातावरण में लचीलापन के साथ सीखने की सुविधा, LAN नेटवर्क बनाना, राउटर एवं स्विच की मूलभूत कॉन्फ़िगरेशन, IPv4 व IPv6 एड्रेसिंग योजनाओं को लागू करना, स्थानीय और दूरस्थ नेटवर्क संसाधनों तक पहुंच के लिए डिवाइस सेटअप, एंड-टू-एंड नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।

CCNA के अतिरिक्त, हमारी अकादमी निम्नलिखित निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी प्रदान करती है। सिस्को अकादमी छात्राओं के लिए विभिन्न ऑनलाइन एक्सप्लोरेटरी कोर्सेज़ भी संचालित करती है: साइबर सुरक्षा का परिचय, साइबर सुरक्षा की मूल बातें, इंटरनेट ऑफ थिंग्स का परिचय, लिनक्स प्रारंभिक ज्ञान, मोबिलिटी एवं उद्यमिता के सिद्धांत, नेटवर्क सुरक्षा और लिनक्स की मूल बातें। कॉलेज को वर्ष 2017 में "सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अकादमी – अन्वेषणात्मक पाठ्यक्रमों" का सम्मान प्राप्त हुआ, विशेष रूप से IoT कोर्स के उत्कृष्ट संचालन हेतु।

अवसर@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मन और रोमैंस अध्ययन विभाग के सहयोग से जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। एक विदेशी भाषा का ज्ञान सामान्य शैक्षणिक योग्यता के साथ होने पर रोज़गार की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि करता है।

दायरा, अवधि और शुल्क संरचना: विदेशी भाषाओं के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएँ हैं और इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। भाषा कौशल आज लगभग हर पेशे में एक मूलभूत आवश्यकता बन चुका है, जो करियर में उन्नति में सहायक होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज जर्मन भाषा के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। प्रत्येक स्तर (Level) के लिए न्यूनतम 25 विद्यार्थियों का एक बैच लिया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। इस पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 10,500 ₹ प्रति छात्रा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम 16,000 ₹ प्रति छात्रा है (उल्लेखित शुल्क में परीक्षा शुल्क शामिल नहीं है)। प्रत्येक भाषा पाठ्यक्रम को विभिन्न मॉड्यूल्स में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मॉड्यूल को पूरा करने हेतु 80 से 150 घंटे के शिक्षण-अध्ययन की आवश्यकता होती है। प्रति सप्ताह 2-3 कक्षाएँ नियमित पाठ्यक्रम के साथ आयोजित की जाती हैं। पाठ्यक्रम में भाषा की गहरी समझ के लिए सुनने, बोलने और लेखन जैसे सभी पक्षों को सम्मिलित किया गया है। यदि कोई छात्रा पहले सेमेस्टर में यह कोर्स शुरू करती है, तो वह अपने मुख्य पाठ्यक्रम के साथ-साथ सभी मॉड्यूल्स को कुशलतापूर्वक पूर्ण कर सकती है। प्रत्येक मॉड्यूल के सफल समापन के बाद, छात्रा को "पूर्णता प्रमाण पत्र" प्रदान किया जाएगा।

सहायक विभाग: संस्कृत एवं हिन्दी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत, संस्कृत एवं हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को केवल भाषाई ज्ञान ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मिक विकास और समकालीन संवेदनाओं से भी जोड़ते हैं। इन विभागों द्वारा संचालित एईसीसी (AECC) पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

संस्कृत विभाग भाषा से आगे बढ़कर भारत की शाश्वत बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपरा से विद्यार्थियों को जोड़ता है। उपनिषदों के दर्शन, भगवद्गीता की नैतिक शिक्षा, और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित शासनतंत्र जैसे विषय विद्यार्थियों को गहराई से चिंतन करना सिखाते हैं। सूक्तियों (सुभाषितों) और शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से नैतिक मूल्यों और आत्ममंथन की भावना का विकास होता है। विभाग में पाण्डुलिपि अध्ययन, संस्कृत पाठ एवं वाचन कार्यशालाएं, सांस्कृतिक भ्रमण और प्राचीन भारतीय समाज पर परियोजनाओं जैसे अनुभवात्मक शिक्षण को प्रमुख स्थान दिया गया है। यह विद्यार्थियों को भारत की सभ्यता की गहराइयों से जोड़ता है और उन्हें वर्तमान जीवन में उसकी प्रासंगिकता समझने में सक्षम बनाता है।

हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को व्यवहारिक भाषा कौशल के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि से भी परिचित कराता है। हिन्दी के आधुनिक प्रयोग—जैसे मीडिया, विज्ञान, तकनीक, अनुवाद, संवाद लेखन और डिजिटल संप्रेषण को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। यह विभाग पारंपरिक साहित्य और समकालीन प्रवृत्तियों को जोड़ते हुए हिन्दी की बढ़ती भूमिका को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्थापित करता है।

संस्कृत और हिन्दी दोनों ही विभाग विद्यार्थियों में पहचान, नैतिक बोध और प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता को सशक्त करते हैं, जिससे ये पाठ्यक्रम स्नातक शिक्षा का एक अनिवार्य और समृद्ध हिस्सा बन जाते हैं।

अवसर@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC)

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने वर्ष 2018 में डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य परिसर में तकनीकी कौशल विकास की पहलों को बढ़ावा देना और छात्रा समुदाय को लाभान्वित करना है। यह क्लब छात्राओं को वह संसाधन, अवसर और अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है, जिससे वे पेशेवर की तरह उद्योग के लिए तैयार हो सके।

SRCASW में DSC क्लब का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्राओं के तकनीकी ज्ञान को विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों से जोड़ना और उन्हें भविष्य की माँगों के लिए तैयार करना है।

DSC क्लब का मुख्य उद्देश्य सीखी गई तकनीकों को प्रयोग में लाकर वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु प्रोजेक्ट बनाना है। इससे न केवल छात्राओं की तकनीकी क्षमताओं में वृद्धि होती है, बल्कि सहयोगात्मक कार्य संस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है। क्लब वर्ष भर तकनीकी कार्यक्रमों, कोडिंग प्रतियोगिताओं और हैकाथॉन का आयोजन करता है, जिससे छात्राओं को अपने कौशल के प्रदर्शन और विकास का निरंतर अवसर प्राप्त होता है।

2018 से 2019 के दौरान, डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC) ने गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब (GDSC) के साथ सहयोग किया, जिसकी सर्वप्रथम अगुवाई सुश्री हुनर बत्रा ने की थीं। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में यह क्लब पुनः Google के साथ साझेदारी में है, जिसकी अगुवाई सुश्री राशिका राय कर रही हैं। इस दौरान, गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब का नाम बदलकर गूगल डेवलपर ग्रुप्स (GDG) ऑन कैंपस कर दिया गया है।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

आहार्या – नृत्य समिति

'आहार्या' का अर्थ है – अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका, और यही हमारे समाज की पहचान है। SRCASW की आधिकारिक नृत्य समिति के रूप में, हम विभिन्न पृष्ठभूमि से आए छात्राओं को नृत्य की कला के माध्यम से एक मंच पर लाते हैं। हमारे सदस्य प्रतिदिन अपने कौशल को निखारने और अपनी अनोखी शैली को प्रस्तुत करने के लिए समर्पित रहते हैं। प्रत्येक वर्ष, आहार्या विभिन्न अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करता है, जिससे हमारी उत्कृष्टता की परंपरा गतिमान रहती है। हम कॉलेज परिसर में अक्सर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन भी करते हैं, जो पूरे कॉलेज में रचनात्मकता, जीवंतता और ऊर्जा का संचार करते हैं। आहार्या का मानना है कि अगर आप लड़खड़ा जाएं, तो उसे भी नृत्य का प्रारूप बना लें और नृत्य को अपने जीवन की दिनचर्या का।

एलवायरा (ELVIRA)

एलवायरा, ललित कला समिति, का उद्देश्य नवोदित और अनुभवी दोनों प्रकार के कलाकारों के लिए प्रेरणा, सौहार्द्र, अवसर और एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे नई कला शैलियों और कौशलों को सीख और खोज सकें। इस समिति का सार रंगों की एक मनोहर विविधता में निहित है – "विभिन्न होने के बावजूद समान" - जो कला के प्रति अटूट जुनून से प्रेरित है। एलवायरा हर वर्ष नए मील के पत्थर स्थापित करती है और दृढ़ संकल्प के साथ नए अवसरों को अपनाती है। यह टीम अंतर और अंत: कॉलेज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेती है, सेशन्स और कार्यशालाओं का आयोजन करती है, लाइव प्रस्तुतियाँ देती है, और अपनी सौंदर्यबोधात्मक प्रतिभा से कॉलेज के उत्सवों को सजीव बनाती है। वार्षिक कला प्रदर्शनी "विस्टा (VISTA)", इस समिति की भावना, समर्पण, विश्वास और उल्लास को दर्शाती है जो इसे एकजुट करता है और इसे एक टीम बनाता है। एलवायरा न केवल अपने सदस्यों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि उनके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में व्यक्तिगत विकास सुनिश्चित करने का प्रयास भी करती है।

ग्लैमफायर (GLAMFIRE)

ग्लैमफायर (GLAMFIRE), शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ की फैशन सोसाइटी है, **"जहाँ आत्मविश्वास रैम्प पर चलता है और रचनात्मकता मंच पर राज करती है"**। ग्लैमफायर एक ऐसा जीवंत मंच है जो विभिन्न विषयों के छात्राओं को एक साथ लाता है–वे छात्रा जो फैशन, आत्म-अभिव्यक्ति, और व्यक्तित्व की विशिष्टता को गहराई से महसूस करते हैं। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से ही, ग्लैमफायर में नियमित और गहन अभ्यास सत्र, स्टाइलिंग की व्यावहारिक गतिविधियाँ, और रचनात्मक फैशन गतिविधियां कराए जाते हैं, जो सदस्यों को आलोचनात्मक एवं नवाचारी सोच की ओर प्रेरित करते हैं। यह सोसाइटी नवीनतम फैशन ट्रेंड्स से लगातार अपडेट रहती है और ऐसे लुक्स व प्रस्तुतियाँ तैयार करती है जो आधुनिकता और सांस्कृतिक पहचान का सुंदर संगम होती हैं। वर्ष का सबसे प्रमुख आकर्षण है हमारी वार्षिक फैशन प्रस्तुति – "प्रत्यंगिरा", जो शक्ति की प्रतीक देवी

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

प्रत्यंगिरा के नाम पर आधारित है। प्रत्यंगिरा सिर्फ एक फैशन शो नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण, सहनशक्ति, और रचनात्मक अभिव्यक्ति का उत्सव है। यह ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति नारीत्व, सृजनात्मकता, और आत्मबल की झलक प्रस्तुत करती है, जहाँ हर प्रदर्शन एक ऐसी कहानी कहता है जो दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ जाती है।

ग्लैमफायर विभिन्न इंटर-कॉलेज फैशन प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेती है, साथ ही स्टाइलिंग कार्यशालाएं, ग्रूमिंग सेशन्स, और फोटोग्राफ़र्स, डिज़ाइनर्स, व स्टाइलिस्ट्स के साथ सहयोग कर के सदस्यों को फैशन इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव प्रदान करती है। रैम्प पर आत्मविश्वास से चलना हो या पर्दे के पीछे सृजनात्मक रूप से कार्य करना – ग्लैमफायर में हर सदस्य को अपनी पहचान और अपनी आवाज़ मिलती है।

ग्लोबट्रॉटर्स, हमारे कॉलेज की यात्रा एवं पर्यटन समिति, का उद्देश्य यात्रा करने और नई व अनजानी रोमांचकारी जगहों को खोजने की भावना को प्रोत्साहित करना है। यह समिति उत्साही और युवा यात्रियों के समूह के साथ मिलकर एक ऐसा मंच बनाना चाहती है, जहाँ लोग दुनिया और इसके लोगों को एक नए दृष्टिकोण से देख कर अपने अनुभव और ज्ञान को साझा कर सकें।

इंकलिंग्स, साहित्यिक समिति, वर्ष 2013 से सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, जिसका उद्देश्य भाषा और साहित्य प्रेमियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। यह समिति राजगुरु परिवार के साहित्य प्रेमियों और अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक मंच पर लाने का कार्य करती है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और एक सामूहिक जुड़ाव का अनुभव कर सकें। वक्ता और वाद-विवादकर्ता हों या लेखक और कवि, डिज़ाइनर और रचनात्मक विचारक हों या पाठक और संपादक—यह समिति कॉलेज की संपूर्ण रचनात्मक ऊर्जा और अभिव्यक्ति का एक आदर्श संगम है।

मुखौटा, नाट्य समिति, का उद्देश्य हमारे समाज की उपेक्षित समस्याओं को उजागर करना है। सदस्य एकजुट होकर टीम के रूप में कार्य करते हैं और अपनी राय व आवाज़ के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। समर्पण, प्रतिबद्धता और कठिन परिश्रम के लिए जानी जाने वाली यह समिति वर्षों से अपने प्रयासों के लिए प्रशंसा प्राप्त करती आ रही है। यह यात्रा केवल अभिनय सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें महत्वपूर्ण जीवन कौशल भी सिखाए जाते हैं -यह रंगमंच की एक सौंदर्यपूर्ण और सीख से भरी यात्रा है। सामाजिक मुद्दों पर आधारित नुक्कड़ नाटक इस समिति की विशेषता (USP) है।

फिलायरा, SRCASW की संगीत समिति, संगीत प्रेमियों का एक ऐसा समूह है जो दो मुख्य विधाओं में कार्य करता है – भारतीय और पश्चिमी संगीत। कॉलेज में इस समिति का विशेष स्थान है, क्योंकि कोई भी सांस्कृतिक या तकनीकी कार्यक्रम मां सरस्वती या भगवान गणेश की वंदना के बिना शुरू नहीं होता, और छात्राएं इस परंपरा को सदैव बनाए रखती हैं। हालाँकि समिति के दोनों अनुभाग – भारतीय

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

(आरोहण) और पश्चिमी संगीत – अलग-अलग संगीत शैलियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, फिर भी PHILYRA एक एकजुट और सृजनात्मक परिवार की तरह कार्य करती है। इस वर्ष आरोहण को कॉलेज के भीतर और बाहर कई प्रतिष्ठित आयोजनों में प्रस्तुतियाँ देने का अवसर मिला, जिससे उनकी प्रतिभा को नई उड़ान मिली। भारतीय और पश्चिमी संगीत अनुभाग, दोनों ने अंतर- और अंत: कॉलेज प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी की। नियमित अभ्यास सत्र और प्रस्तुतियाँ परिसर में संगीत की भावना को जीवंत बनाए रखते हैं। समिति ने एक बार फिर साबित किया है कि वह कॉलेज की सबसे महत्वपूर्ण समितियों में से एक है, जो टीमवर्क और समन्वय की भावना का प्रतीक है।

शफल शाट्स, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन का फोटोग्राफी क्लब, कॉलेज की सबसे लोकप्रिय और बहुप्रतीक्षित समितियों में से एक है। इसकी स्थापना लगभग 2014 में हुई थी। कार्यक्रम कोई भी हो, हम हर जगह मौजूद होते हैं। यह एक उभरती हुई समिति है, जो हाथों में कैमरा और मन में रचनात्मकता के साथ कार्य करती है। समिति के अद्भुत मार्गदर्शकों द्वारा प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और फ़ोटोवॉक्स सुनियोजित तरीके से आयोजित की जाती हैं ताकि प्रतिभागियों को अधिक अनुभव मिले और उनकी फोटोग्राफी कौशल को निखारा जा सके। हम कॉलेज के भीतर और बाहर विभिन्न फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं, जिससे छात्राओं में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित हो और उनका उत्साह बना रहे। हमें गर्व है कि हमारे "शटरबग्स" (शौक़ीन फोटोग्राफ़र्स) हमेशा अपनी शानदार प्रविष्टियों से हमें प्रभावित करते हैं और कभी निराश नहीं करते।

एहसास / ह्यूमन कैफ़े, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ की एक स्थापित समिति है। मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग है और एक स्वस्थ, संतुलित व रचनात्मक जीवन जीने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह समिति छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी फैलाना और उससे जुड़ी गलतफहमियों व सामाजिक अपवाद को समाप्त करना है। एहसास का उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित, पूर्वग्रह-रहित और आलोचना-मुक्त मंच प्रदान करना है, जहाँ हर कोई स्वतंत्र रूप से अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सके।

समिति वर्ष भर विभिन्न सत्रों, कार्यशालाओं और संवादात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, ताकि एक ऐसा मानसिक स्वास्थ्य-जागरूक कैंपस वातावरण तैयार किया जा सके, जहाँ संवेदनशीलता, सहानुभूति और समझ को महत्व दिया जाता है।

एनक्टस (ENACTUS) का पूर्ण रूप है Entrepreneurial Action & Us, जो एक वैश्विक, गैर-लाभकारी समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। यह संगठन दुनिया भर के छात्राओं और विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाकर ऐसे प्रोजेक्ट्स पर कार्य

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

करता है जो वंचित समुदायों को सशक्त और समर्थ बनाते हैं – वह भी सतत और दीर्घकालिक तरीकों से। "एनक्टस शहीद राजगुरू", शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक एनक्टस से संबद्ध प्रोजेक्ट है। हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से समुदाय का उत्थान करना है, साथ ही भविष्य के उद्यमियों का पोषण कर, एक बेहतर और अधिक सतत विश्व का निर्माण करना है। हमारे वर्तमान प्रोजेक्ट्स में शामिल हैं: प्रोजेक्ट पहचान, प्रोजेक्ट ग्रीन हैवन, प्रोजेक्ट सुगव्या। इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से हम तीन अलग-अलग हाशिए पर स्थित समुदायों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट पहचान इस पहल का उद्देश्य LGBTQIA+ समुदाय और वंचित व्यक्तियों को सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत उन्हें सिलाई, बेकिंग, डिज़ाइनिंग आदि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण सत्र प्रदान किए जाते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस परियोजना की खास बात यह है कि ये कौशल विकास कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क होते हैं। यह प्रोजेक्ट समाज में गहरी जमी हुई सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और रूढ़ियों को समाप्त करने की दिशा में कार्य करता है। यह क्वीयर समुदाय को पहचान दिलाने और जनजागरूकता फैलाने के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है।

प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन यह परियोजना कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रवासी मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों को रोजगार देना तथा वीगनवाद (veganism) और आहार में मशरूम के उपयोग को बढ़ावा देना है। कॉलेज परिसर में सस्टेनेबल फार्मिंग विधियों के माध्यम से ताजे मशरूम और मशरूम की खेती के पैकेज तैयार किए जाते हैं। हमारे उत्पाद स्वच्छ, प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों पर आधारित होते हैं और स्वास्थ्य व पोषण को बढ़ावा देते हैं। हमारे द्वारा उत्पादित मशरूम की किस्मों में शामिल हैं: किंग ऑएस्टर मशरूम, बटन मशरूम, ब्लैक, पिंक, येलो और ब्लू ऑएस्टर मशरूम। ये सभी मशरूम स्वच्छता के उच्च मानकों के अनुसार उगाए जाते हैं और कॉलेज कैंपस में स्टॉलों के माध्यम से तथा हमारी वेबसाइट पर बेचे जाते हैं। ये उत्पाद छात्राओं और शिक्षकों के बीच काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

प्रोजेक्ट सुगव्य "सुगव्य" शब्द का अर्थ है – "गाय से प्राप्त शुभ तत्व"। इसी दर्शन पर आधारित इस परियोजना के अंतर्गत हम गैर-दुग्ध देने वाली गायों के गोबर का उपयोग कर रासायनिक तत्वों से मुक्त विभिन्न उत्पाद बनाते हैं, जिससे न केवल उनके मूल्य में वृद्धि होती है बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होता है। इस प्रोजेक्ट के उत्पाद बायोडिग्रेडेबल (जीवाणु विघटित होने योग्य) और पर्यावरण अनुकूल होते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास में योगदान करते हैं। हमारे सबसे प्रसिद्ध उत्पाद हैं "गौमय दीये", गाय के गोबर से बनाए गए यह दीये 100% बायोडिग्रेडेबल, रासायन-मुक्त और अटूट होते हैं। उपयोग के बाद इन्हें खाद (जैविक उर्वरक) के रूप में उपयोग किया जा सकता है। गौमूत्र से बना फिनाइल और ग्लास क्लीनर, यह प्राकृतिक उत्पाद घरेलू साफ-सफाई के कार्यों में उपयोगी हैं। खाद, गाय के गोबर से बनी जैविक खाद, जो पौधों की वृद्धि के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होती है।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

प्रवृद्धि (पर्यावरण क्लब)

प्रवृद्धि शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमेन का पर्यावरण क्लब (ईको क्लब) है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2005 में शिक्षकों और सक्रिय छात्राओं के एक समूह द्वारा की गई थी। यह क्लब नेशनल ग्रीन कॉर्प्स का हिस्सा है, जो पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा 2001 में शुरू की गई एक राष्ट्रीय योजना है। "प्रवृद्धि" का अर्थ है – "सतत पर्यावरण के निर्माण के लिए कार्यों को प्रोत्साहित करना और उन्हें तीव्रता प्रदान करना।" इसका लक्ष्य है कि कॉलेज और उसके आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता और सतत विकास की अवधारणाओं को विभिन्न गतिविधियों, कार्यशालाओं और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रोत्साहित और समाहित किया जाए। ये गतिविधियाँ छात्राओं को स्थानीय मुद्दों को वैश्विक संदर्भ में समझने में मदद करती हैं।

क्लब का उद्देश्य छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और पड़ोसियों में पर्यावरण के प्रति गहरी रुचि और भागीदारी को बढ़ावा देना है, और विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है। कॉलेज में हर्बल गार्डन (औषधीय पौधों का बगीचा) भी इस क्लब द्वारा प्रबंधित किया जाता है। प्रवृद्धि ने कॉलेज में हरित नीति को अपनाते हुए बुनियादी ढांचे में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा दिया है। कॉलेज को प्रवृद्धि के माध्यम से किए गए पर्यावरणीय स्थिरता के कार्यों के लिए कई मान्यताएँ प्राप्त हुई हैं: MGNCRE (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा कॉलेज को सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सहभागिता प्रकोष्ठ के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। सबसे बड़े पौधारोपण अभियान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र । हरित चैंपियन पुरस्कार, MGNCRE (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा। पूर्वी दिल्ली जिला पर्यावरण चैम्पियनशिप पुरस्कार (2024–25), नेशनल एडु ट्रस्ट द्वारा हाल ही में प्राप्त हुआ है।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

मरक्यूरियस क्लब, कॉलेज में हाल ही में स्थापित प्रबंधन क्लब ने तीन छात्रा समितियों –रक़म (वित्त और निवेश समिति), मार्क हेवन (विपणन समिति), और इक्विलिब्रियम (अर्थशास्त्र समिति) – की ऊर्जा और समृद्ध इतिहास को एक साथ जोड़ा है। इस सशक्त समन्वय के माध्यम से एक ऐसा मंच तैयार किया गया है जो प्रबंधन, वित्त, विपणन और अर्थशास्त्र के भावी नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करने के लिए समर्पित है।

मरक्यूरियस क्लब का उद्देश्य इन तीनों समितियों की क्षमताओं को एकीकृत कर छात्राओं को समग्र शैक्षणिक अनुभव प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य है एक ऐसा सक्रिय और उत्साही समुदाय बनाना जहाँ छात्रा प्रबंधन सिद्धांतों की गहन समझ प्राप्त करें और साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त करें। इन गतिविधियों में संगोष्ठियां, कार्यशालाएँ, औद्योगिक भ्रमण, लाइव प्रोजेक्ट्स, मॉक यूनाइटेड नेशंस (MUN) और इंडस्ट्री विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र शामिल हैं। मरक्यूरियस क्लब छात्राओं को बिजनेस और प्रबंधन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी छात्राओं को इस रोमांचक और पेशेवर विकास की यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण देते हैं।

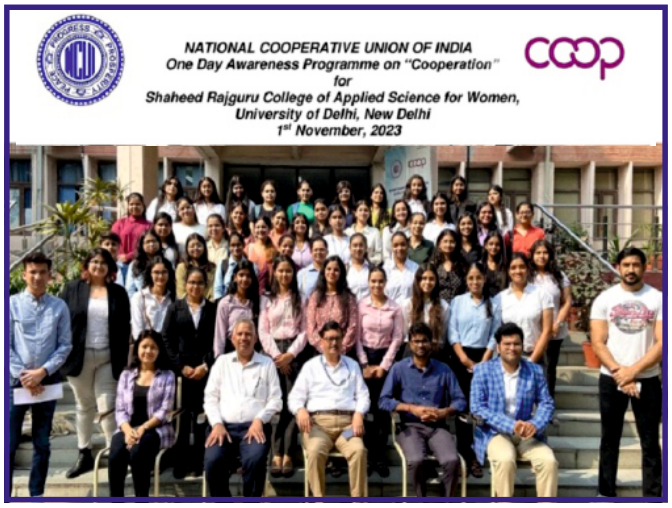

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

राजगुरुकुलम्

राजगुरुकुलम, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन के तत्वावधान में सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की अभिनव शैक्षिक अभ्यास पहल है। यह पहल स्नातक छात्राओं को कैरियर के अवसरों के बारे में जानने और आगे की शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करने में सहायता करती है। यह पाया गया है कि विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्राओं को अपने संबंधित उच्च शिक्षा लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हें पूरा करने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। SRCASW के संकाय सदस्यों ने इस प्रयास में उत्साहपूर्वक योगदान दिया है। यह पहल निःशुल्क और संवादात्मक है, जिसका उद्देश्य उन छात्राओं की सहायता करना है जो कम आय वाले परिवारों से आते हैं और अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता वहन नहीं कर सकते।

युवा संसद समिति की पावन स्थापना जुलाई 2016 में कॉलेज परिसर में हुई थी, और तब से यह सतत प्रगति कर रही है। यह समिति अकादमिक वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों, जैसे, वाद-विवाद चर्चाएं, काल्पनिक संसद सत्र, ऐतिहासिक स्थलों की यात्राएं, जो लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं आदि का आयोजन करती है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्राओं को लोकतंत्र की मूल भावना और संसद की कार्यप्रणाली को समझने में सहायता करना है। समिति ने छात्राओं को संसद भवन, प्रधानमंत्री संग्राहलय, तथा G20 सम्मेलन जैसे सरकारी आयोजनों का भ्रमण करवाया है, जहाँ उन्हें लोकतांत्रिक और राजनीतिक संस्थाओं के कार्य को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं में निम्नलिखित कौशल विकसित करना है: आलोचनात्मक सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति सार्थक और संवाद करने की क्षमता।

यह समिति एक ऐसा मंच प्रदान करती है जहाँ छात्रा अपने विचार खुलकर रख सकते हैं, समस्याओं पर बहस कर सकते हैं, तथा समाज और समुदायों से जुड़ी समस्याओं के समाधान प्रस्तावित कर सकते हैं। इसके माध्यम से छात्रा, नेतृत्व कौशल, जनसंचार कौशल तथा राजनीतिक प्रक्रिया की समझ विकसित करते हैं। विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क और रचनात्मक बहसों के माध्यम से छात्रा सहानुभूति विकसित करते हैं और विविध मतों को समझने की क्षमता अर्जित करते हैं।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

TEDxSRCASW एक स्थानीय आयोजन है जो TED वार्ताओं की शैली में प्रत्यक्ष वार्ताओं और प्रस्तुतियों को प्रस्तुत करता है। ऐसे कार्यक्रम स्वतंत्र रूप से योजनाबद्ध और आयोजित किए जाते हैं। कई महीनों की मेहनत के बाद, SRCASW ने वर्ष 2022 में अपनी TEDx यात्रा की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य था – "विचार जो साझा किए जाने योग्य हैं" को स्थानीय रुचि रखने वाले समुदाय तक पहुँचाना। यह मंच विचारोत्तेजक विषयों को साझा करने का अवसर प्रदान करता है, जो लोगों को अपने तत्काल दायरे से परे विषयों के बारे में जानने और सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह समिति प्रेरणा, उत्साह और असाधारण वक्ताओं को उनकी विशेषज्ञता साझा करने का मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है।

TEDxSRCASW 2024 कार्यक्रम का विषय "टेक लिबरेशन: दि पैराडॉक्स" था, इसमें ज्ञानवर्धक और जागरूकता बढ़ाने वाले भाषणों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई।

TEDxSRCASW का लक्ष्य है कि वह इस विरासत को आगे बढ़ाए और हर वर्ष ऐसे ही महत्वपूर्ण और प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन करता रहे।

आहार, कॉलेज की खाद्य समिति है, जिसकी स्थापना जुलाई 2022 में हुई थी। इसका उद्देश्य छात्राओं को भोजन के प्रति उनके साझा प्रेम के माध्यम से एकजुट करना, स्वस्थ आहार की आदतों को बढ़ावा देना और रचनात्मकता व नवाचार को प्रोत्साहित करना है। हम टीमवर्क के महत्व को समझते हैं और छात्राओं एवं समाज के स्वास्थ्य व सामाजिक कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का प्रयास करते हैं।

हमारा मिशन है ऐसे छात्राओं को एक मंच प्रदान करना जो भोजन से प्रेम करते हैं, खाना बनाने के प्रति जुनून रखते हैं, और भोजन से जुड़ी अपनी जानकारी को और अधिक बढ़ाना चाहते हैं। हम कॉलेज के छात्राओं, स्टाफ सदस्यों और समाज के बीच भोजन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाना चाहते हैं, विशेषकर आज के तेजी से बदलते परिवेश में, जैसे: खाद्य सुरक्षा, प्रसंस्करण, खाद्य कानून, पैकेजिंग और लेबलिंग नियम।

छात्रा परिषद द्वारा आयोजित गतिविधियाँ (2024-25)

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए छात्रा परिषद द्वारा अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनका संचालन डॉ. दीपा जोशी, सुश्री सौम्या चतुर्वेदी एवं डॉ. ट्विंकल सचान के मार्गदर्शन में किया गया।

ओरिएंटेशन समारोह

नए बैच के छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन दिवस का आयोजन 20 सितंबर 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम ने हमारे कॉलेज परिवार में नवागंतुक छात्राओं और उनके अभिभावकों का औपचारिक स्वागत किया। इस आयोजन ने स्नेह, उत्सव और मार्गदर्शन को सुंदर रूप से समाहित किया, जिससे छात्राओं को अपने शैक्षणिक जीवन की शुरुआत आत्मविश्वास के साथ करने में सहायता मिली।

फिलिरा आरोहणा द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति ने माहौल को आत्मीय बना दिया और इसके बाद आया सबसे प्रभावशाली खंड — प्राचार्य का संबोधन। डॉ. मागो ने शैक्षणिक पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और छात्राओं की प्रेरणादायक उपलब्धियों को साझा किया, जिससे उपस्थित छात्राओं एवं अभिभावकों को प्रोत्साहन और प्रेरणा मिली।

इसके बाद नवागंतुको को कॉलेज की जीवंत छात्रा समितियों और क्लबों से परिचित कराया गया, जहाँ समग्र विकास के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का समापन आहर्या की एक ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसके बाद जलपान और अनौपचारिक संवाद का आयोजन किया गया।

फ्रेशर्स पार्टी

27 सितंबर 2024 को हमारा परिसर उत्साह और उमंग से जगमगा उठा, जब हमने कॉलेज परिवार के नए सदस्यों के स्वागत हेतु भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया और यह संगीत, नृत्य और उल्लास से भरपूर एक शानदार शुरुआत थी नवागंतुक छात्राओं के कॉलेज जीवन की।

शाम की शुरुआत हुई फिलायरा आरोहण और फिलायरा WMS की सुरमयी गायन प्रस्तुतियों से, जिसने पूरे वातावरण को आनंदमय और आत्मीय बना दिया। इसके बाद आहर्या समिति द्वारा प्रस्तुत ऊर्जावान नृत्य ने दर्शकों को तालियों और उत्साह से झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही — "मिस फ्रेशर प्रतियोगिता", जहाँ नवागंतुक छात्राओं ने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से मंच को रोशन कर दिया। प्रतियोगिता में ग्लैमरस रैंप वॉक और प्रतिभा प्रदर्शन राउंड शामिल था, जिसमें छात्राओं ने नृत्य, संगीत, कविता आदि के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। विजेता को ताज, सैश और विशेष उपहारों से सम्मानित किया गया, जिसके चेहरे पर खुशी और गर्व की चमक स्पष्ट झलक रही थी।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

तकनीकी उत्सव (टेक्निकल फेस्ट) 2024

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का वार्षिक तकनीकी उत्सव 2024, 23 और 24 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक नवाचार और अंतर्विभागीय सहयोग के लिए एक सजीव मंच के रूप में सामने आया, जिसमें हमारे कॉलेज और अन्य संस्थानों के छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छात्रा परिषद के नेतृत्व में यह फेस्ट अत्यंत संगठित और प्रभावशाली ढंग से आयोजित किया गया, जिसमें कॉलेज के सभी 14 विभागों ने समन्वित प्रयासों के साथ भाग लिया।

प्रत्येक विभाग ने अपनी-अपनी पहचान के अनुसार विशेष और रोचक कार्यक्रमों का आयोजन निम्नलिखित नामों के अंतर्गत किया:

- **ट्रैप** – भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और सांख्यिकी विभाग
- **ट्रेज़ीरे** – मनोविज्ञान विभाग
- **माइक्रोब्लेज़** – सूक्ष्मजैविकी विभाग
- **टेकनेक्सस** – इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग
- **ईंडाइरा** – प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग
- **फ़ूड फ़ेलिसिटी** – खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग
- **एलिक्सिर** – बायोकैमिस्ट्री विभाग
- **इलेक्ट्रोमेनिया** – इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग
- **टेक मेलांज** – कंप्यूटर साइंस विभाग
- **प्लेक्सस** – जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग

इस फेस्ट के अंतर्गत प्रतियोगिताएँ, प्रश्नोत्तरी, प्रदर्शनी, कार्यशालाएँ और तकनीकी प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। इस आयोजन ने ज्ञान-साझाकरण, समस्या-समाधान और रचनात्मकता का उत्सव मनाया, जिससे यह सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत समृद्ध अनुभव बना।

ट्रैप 2024

- यह दो दिवसीय उत्सव था जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उद्यमिता पर एक पैनल चर्चा, रोमांचक रणनीतिक खेल और सांख्यिकी, गणित, रसायन विज्ञान और भौतिकी से संबंधित इंटरएक्टिव चुनौतियाँ शामिल थीं।
- प्रमुख गतिविधियाँ थीं: माइन्डोपोली, एस्केप रूम 2.0, और साइंस ओडिसी।
- इन गतिविधियों में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

ट्रेज़ीरे 2024

- विषय: "सेरोटोनिन स्टोरीज़: द आर्ट ऑफ़ फीलिंग"
- प्रमुख कार्यक्रम: स्लैम कविता, मूड बोर्ड प्रतियोगिता, और क्रोध प्रबंधन पर संगोष्ठी (वक्ता: डॉ. इतिशा नागर)।

इस आयोजन ने 70 से अधिक प्रतिभागियों को भावनात्मक जागरूकता गतिविधियों में शामिल किया।

माइक्रोब्लेज़ 2024

विषय: "सूक्ष्मजैविकी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता"

मुख्य आकर्षण: वाद-विवाद, पज़ल रेस, विशेषज्ञ वार्ता, और प्रदर्शनी।

डॉ. पल्लवी सोमवंशी द्वारा विशेष सत्र, और कॉलेज शुभंकर एवं पत्रिका 'एवन्सेण्ट' का लोकार्पण भी किया गया।

टेकनेक्सस 2024

छात्राओं द्वारा संचालित यह आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग में नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

गतिविधियाँ: प्रश्नोत्तरी, रचनात्मक चित्रण प्रतियोगिता, और ई-वेस्ट तथा IoT सुरक्षा जैसे वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करना।

ईंडाइरा 2024

आयोजन में गिग इकॉनॉमी पर पैनल चर्चा, वाद-विवाद, मार्केटिंग व केस स्टडी प्रतियोगिताएँ, और वर्चुअल स्टॉक ट्रेडिंग इवेंट शामिल थे।

साथ ही ट्रेजर हंट और क्विज़ चुनौतियों जैसे मनोरंजक मिनी-इवेंट्स भी आयोजित किए गए।

फ़ूड फ़ेलिसिटी 2024

कार्यक्रम में खाद्य प्रौद्योगिकी क्विज़, संवेदी चुनौती, भोजन अधिकारों पर पोस्टर निर्माण, और खाद्य फोटोग्राफी प्रतियोगिता शामिल रही।

प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

एलिक्सिर 2024

मुख्य विषय फोरेंसिक महामारी रहा।

डॉ. अनिल अग्रवाल द्वारा विशेष व्याख्यान और पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिससे शोध और अकादमिक संवाद को बढ़ावा मिला।

इलेक्ट्रोमेनिया 2024

इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ा फेस्ट, जिसमें पूर्व-प्रारूप प्रदर्शन, सर्किट निर्माण प्रतियोगिता, रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रतिस्पर्धा, और म्यूजिकल चेयर व बलून ब्लास्टिंग जैसे मज़ेदार गेम्स शामिल थे।

इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

टेक मेलांज 2024

क्लाउड टेक्नोलॉजीज़ पर कीनोट स्पीच से शुरुआत हुई।

इसमें मल्टी-राउंड क्विज़, कोडिंग चुनौतियाँ, नवाचार प्रस्तुतियाँ, कैम्पस-व्यापी ट्रेजर हंट, और गेमिंग प्रतियोगिताएँ शामिल थीं।

इसमें प्रसिद्ध संस्थानों के छात्राओं ने भी भाग लिया।

प्लेक्सस 2024

विषय: पुनरुत्पादक चिकित्सा (रीजनरेटिव मेडिसिन)।

कार्यक्रम में स्टेम सेल्स पर व्याख्यान (वक्ता: डॉ. प्रमोद सी. राठ) और आणविक डॉकिंग व जैविक सूचना पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला (डॉ. उमा कुमारी) का आयोजन हुआ।

70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

दिवाली मेला: उज्जवल 2024

25 अक्टूबर 2024 को हमारे कॉलेज परिसर में 'उज्जवल', वार्षिक दिवाली उत्सव का आयोजन सांस्कृतिक समिति और छात्रा परिषद द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम विभिन्न विभागों के छात्राओं को एक सांस्कृतिक और सौहार्दपूर्ण माहौल में एकत्र लाया। शाम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जो आशा और नए आरंभ का प्रतीक था। इसके बाद फिलायरा आरोहण की भावपूर्ण गायन प्रस्तुति और आहर्या समिति का ऊर्जावान नृत्य प्रदर्शन हुआ, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रही इंटर-डिपार्टमेंटल डांस प्रतियोगिता, जिसमें प्रत्येक विभाग ने किसी लोकप्रिय फ़िल्म की कहानी को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने "ओम शांति ओम" पर अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों की ज़ोरदार तालियों और प्रशंसा के साथ प्रतियोगिता जीत ली। एक अप्रत्याशित संगीतमय कृत्य में गायक 'नमन' ने अपनी सुरीली आवाज़ से माहौल में जादू बिखेर दिया। रात का समापन हुआ जोशपूर्ण डीजे सेशन के साथ, जहाँ छात्राओं ने सच्चे उल्लास, एकता और उत्सव के भाव के साथ दिवाली का उत्सव मनाया।

भारतीय संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह

इस आयोजन को 'संविधान दिवस' के रूप में पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ कॉलेज फोयर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं और फैकल्टी सदस्यों ने एकत्र होकर भारतीय संविधान को सम्मानित करने और उसकी रक्षा करने की शपथ ली। समारोह ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संविधान में निहित मौलिक सिद्धांतों के प्रति शैक्षणिक समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

साइबर सुरक्षा पर वार्ता सत्र

18 दिसंबर 2024 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में सांस्कृतिक समिति और छात्रा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में साइबर सुरक्षा पर एक जानकारीपूर्ण वार्ता का आयोजन किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता श्री राम फाल पवार थे, जो IIT कानपुर के पूर्व छात्रा और सेवानिवृत्त IPS अधिकारी हैं। उन्होंने NCRB और वरिष्ठ पुलिस पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम का आयोजन SRG हॉल में हुआ, जिसकी शुरुआत डॉ. दीपा जोशी, डॉ. ट्विंकल सच्चान और सुश्री सौम्या चतुर्वेदी द्वारा स्वागत भाषण से की गई। श्री पवार ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराध, वास्तविक मामलों के उदाहरण और व्यवहारिक सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डाला। एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र ने इस कार्यक्रम को और भी सूचनाप्रद और सशक्त अनुभव बना दिया।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

वीर बाल दिवस

26 दिसंबर 2024 को शहीद राजगुरु कॉलेज में वीर बाल दिवस का आयोजन SRG हॉल में उन किशोर शहीदों की स्मृति और बलिदान को सम्मान देने के उद्देश्य से किया गया जिन्होंने भारतीय इतिहास में वीरता का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या का अभिनंदन और दीप प्रज्वलन समारोह से हुई। प्रो. डॉ. पायल मागो ने एक प्रेरणादायक भाषण दिया जिसमें छात्राओं को वीरता, देशभक्ति और त्याग की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। उनकी बातों ने सभी श्रोताओं पर गहरी छाप छोड़ी।

गणतंत्र दिवस समारोह एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम

दिन की शुरुआत शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रध्वज फहराने के साथ हुई। प्राचार्या प्रो. डॉ. पायल मागो ने गर्व और देशभक्ति के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया और एक उत्साहवर्धक भाषण के माध्यम से छात्राओं को प्रेरित किया। इसके बाद, नव-निर्वाचित छात्रा परिषद के शपथ ग्रहण और बैज समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में फिलायरा आरोहण (संगीत समिति) और आहर्या (नृत्य समिति) की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। छात्रा परिषद ने ईमानदारी और एकता के साथ कॉलेज की सेवा का संकल्प लिया। समारोह का समापन मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ, जिसने गौरव और एकता की भावना के साथ सभी के दिलों में एक मधुर स्मृति छोड़ दी।

सरस्वती पूजा

प्रशासन खंड में आयोजित यह कार्यक्रम एक सुंदर और भावपूर्ण उत्सव था, जिसकी शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा से हुई, जिसका नेतृत्व प्राचार्या प्रो. डॉ. पायल मागो ने किया। संगीत समिति 'फिलायरा आरोहण ' द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने पूरे माहौल को भक्ति और शांति से भर दिया। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ, जिसमें छात्राओं और फैकल्टी ने मिलकर आशीर्वाद और एकता के क्षण को साझा किया।

कारवां 2025 – वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव

कॉलेज के सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक कारवां '25, एक दो दिवसीय भव्य उत्सव था, जो 24 और 25 फरवरी 2025 को आयोजित हुआ। दिल्ली-एनसीआर के 7000 से अधिक छात्राओं ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगीन सजावट, खाद्य स्टॉल्स और शानदार प्रस्तुतियों के साथ यह महोत्सव जादुई अनुभव बन गया। उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसका नेतृत्व प्राचार्या प्रो. डॉ. पायल मागो और सांस्कृतिक समिति ने किया।

दिनभर विभिन्न समाजों द्वारा प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम को शिवम और बैंड मदारी की ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद डीजे साहिल गुलाटी की धुनों ने पहले दिन का समापन धमाकेदार बना दिया। दूसरे दिन की मुख्य प्रस्तुति थी – प्रसिद्ध 'निज़ामी बंधुओं' की सुफ़ियाना संध्या, जिसके बाद एक और डीजे नाइट ने समापन को अविस्मरणीय बना दिया। अंत में प्राचार्या प्रो. डॉ. पायल मागो और सांस्कृतिक समिति का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। छात्रा परिषद ने एक भावनात्मक धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभी के सहयोग और मेहनत को सराहा, जिसने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता बना दिया।

रंगोत्सव '25: होली का रंग-बिरंगा उत्सव

7 मार्च को आयोजित रंगोत्सव '25 एक उत्सवपूर्ण होली समारोह था जिसमें रैंप वॉक प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने रंगों को खूबसूरती से दर्शाया। इसके बाद खुला माइक चुनौती, गायन, और नृत्य प्रस्तुतियाँ हुईं। समारोह का समापन हुआ फूलों की होली और डीजे संगीत के साथ, जिससे पूरा कैंपस खुशियों और एकता से भर गया। सभी कार्यक्रम सांस्कृतिक समिति के मार्गदर्शन और छात्राओं व शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) "ना मैं, परंतु तुम" के आदर्श वाक्य के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) अपने स्वयंसेवकों में निस्वार्थ सेवा की भावना को समर्पित करती है। पूरे वर्ष भर NSS द्वारा समुदाय सेवा और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन पहलों में कॉलेज परिसर और आस-पास के बस स्टैंड की सफाई, दान संग्रह, लाइफाटिक फाइलेरियासिस (LF) और एड्स जैसे सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना शामिल है। साथ ही, उचित स्वच्छता और साफ-सफाई की आदतों के महत्व को उजागर करने वाले ई-पोस्टर डिजाइन किए गए और एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए वीडियो भी बनाए गए।

जागरूकता फैलाने के लिए कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें स्लोगन लेखन, कविता लेखन, निबंध लेखन, पेंटिंग, टैगलाइन निर्माण, और क्विज़ शामिल थीं। इसके अलावा, स्वयंसेवकों द्वारा कई प्रतिज्ञाएं भी ली गईं, जैसे, अंगदान संकल्प, खादी महोत्सव संकल्प, राष्ट्रीय एकता दिवस संकल्प, विश्व एड्स दिवस संकल्प, पंच प्रण संकल्प, राष्ट्रीय मतदाता दिवस संकल्प, "जीवन को हाँ कहें, नशे को नहीं" संकल्प।

संगोष्ठी के माध्यम से युवाओं को कम्पोस्ट निर्माण, व्यक्तिगत ब्रांडिंग, और स्वामी विवेकानंद के विचारों पर मोनोलॉग सत्र जैसे विषयों पर शिक्षित किया गया। दंत चिकित्सा शिविरों के माध्यम से छात्राओं को नि:शुल्क दंत सफ़ाई सेवा दी गई। कार्यशालाओं और सत्रों में ,वक्ता अनूप गर्ग द्वारा सत्र, नशीली दवाओं के सेवन और अवैध उपयोग को रोकने के लिए कानूनी प्रावधानों और चुनौतियों पर ऑनलाइन कार्यशाला, जनजागरूकता और जीवन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, साइबर स्वच्छता एवं जागरूकता सत्र शामिल थे। इनके साथ ही, हर घर तिरंगा, मेरी माटी मेरा देश, विकसित भारत 2047, और स्वच्छता ही सेवा जैसे अभियान चलाए गए, जिन्होंने राष्ट्रीय गर्व और साफ-सफाई के प्रति प्रतिबद्धता को सशक्त किया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) का आदर्श वाक्य "एकता और अनुशासन" है, जो युवाओं में नेतृत्व, देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा की भावना को समर्पित करता है। एनसीसी छात्राओं को चरित्र निर्माण, साहस, भाईचारा, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और निःस्वार्थ सेवा जैसे गुणों का विकास करने का एक सक्रिय मंच प्रदान करता है, जो एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक हैं।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW) में हाल ही में गठित NCC इकाई में 54 सीनियर विंग कैडेट्स की एक प्लाटून शामिल है। इस इकाई का उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक उपयुक्तता, नागरिक जिम्मेदारी और चरित्र निर्माण के साथ एक रूपांतरणकारी अनुभव प्रदान करना है।

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

हालांकि यह इकाई अपने प्रारंभिक चरण में है, लेकिन इसका उद्देश्य छात्राओं में सहनशीलता, आत्मविश्वास, टीम वर्क और राष्ट्रीय गर्व जैसे मूल मूल्यों को विकसित करना है। भविष्य में यह इकाई संरचित सैन्य-शैली के प्रशिक्षण, नेतृत्व शिविरों, सामाजिक जागरूकता अभियानों और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी का अवसर प्रदान करेगी।

NCC केवल एक पाठ्येतर गतिविधि नहीं है, बल्कि यह साहस, प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय सेवा की विरासत का हिस्सा बनने का एक अवसर है। SRCASW में NCC युवतियों को समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार, भविष्य की परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) क्लब - जनवरी 2020 में स्थापित, SRCASW का EBSB क्लब एमएचआरडी, भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत बनाया गया था, जहां दिल्ली राज्य को सिक्किम राज्य के साथ जोड़ा गया है। EBSB क्लब सिक्किम की संस्कृति, परंपराओं, भाषा, लोक नृत्य, लोक संगीत और व्यंजनों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का संचालन करने का प्रयास करता है। क्लब का उद्देश्य "हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनाना" है, युवाओं को समानता के लिए एक ताकत बनने और अपनी रोजमर्रा की बातचीत में सांस्कृतिक रूप से अधिक समावेशी बनने के लिए प्रेरित करना है।

उन्नत भारत अभियान (UBA) – यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम की शुरुआत IIT दिल्ली के कुछ समर्पित संकाय सदस्यों द्वारा की गई थी, जो ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे थे। इसे आधिकारिक रूप से MHRD (अब MoE) द्वारा वर्ष 2014 में लॉन्च किया गया। UBA का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों (HEI) के संकाय सदस्यों और छात्राओं को ग्रामीण समुदायों की सामाजिक और आर्थिक भलाई को सुधारने तथा ग्रामीण भारत में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लक्ष्य में शामिल करना है। देश के उच्च संस्थानों के ज्ञान और संसाधनों का उपयोग ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए किया जाता है। यह समाज और उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच एक सशक्त संबंध बनाने का भी लक्ष्य रखता है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थान ग्रामीण लोगों के जीवन को सुधारने हेतु आवश्यक ज्ञान और तकनीकी सहयोग प्रदान करते हैं और समाज में सार्वजनिक व निजी संगठनों की क्षमताओं को भी बढ़ाते हैं।

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय को उन्नत भारत अभियान (UBA) के तहत एक भागीदार संस्थान के रूप में चुनौती मोड एप्लिकेशन के माध्यम से चयनित किया गया था। तब से, छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ मिलकर उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम किया है जो अपनाए गए ग्रामीण समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निर्धारित किए गए हैं। UBA, SRCASW ने कॉलेज परिसर के आसपास के 5 गांवों को गोद लिया है। शुरू किए गए विभिन्न परियोजनाओं में भूख के खिलाफ लड़ाई, एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहना, आवश्यक वस्तुओं का वितरण, LGBTQI समुदाय को उनकी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करके उनका सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। इस सत्र में हम शहरी गांवों में कैंसर पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बेहतर बनाने के साथ-साथ अन्य बहुमूल्य पहलों पर भी काम कर रहे हैं।

उन्नत भारत अभियान का मिशन यह है कि भागीदार उच्च शिक्षण संस्थान ग्रामीण भारत की जनता के साथ मिलकर विकास संबंधी चुनौतियों की पहचान करें और संवहनीय विकास को तेज करने हेतु उपयुक्त समाधान तैयार करें।

महिला विकास प्रकोष्ठ, कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ "अनुभूति" महिलाओं से संबंधित मुद्दों, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और गतिविधियों के माध्यम से अपने उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

यह प्रकोष्ठ सामान्य और महिला-विशेष दोनों प्रकार के विषयों को सम्मिलित करता है। इसके प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी कानूनों की जानकारी देना, आर्थिक, सामाजिक और लैंगिक समानता के महत्व को समझाना, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु बहुविषयी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शामिल हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ भारत सरकार का दृष्टिकोण एक समावेशी समाज की स्थापना करना है, जहाँ दिव्यांगजन (PwDs) को विकास और उन्नति के लिए समान अवसर और पहुँच प्रदान की जाए, ताकि वे एक उत्पादक, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में विशेष रूप से निर्मित वातावरण में भेदभाव न करने का प्रावधान है।

सुगम्य भारत अभियान को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 3 दिसंबर 2015 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर का

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक सुगमता प्राप्त करना है।

कॉलेज का समान अवसर प्रकोष्ठ (EOC) दिव्यांग छात्राओं को सशक्त बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ इन छात्राओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रसारित करता है तथा परामर्श और सहायक कक्षाओं के माध्यम से उन्हें सहायता प्रदान करता है। कॉलेज में रैम्प, लिफ्ट, व्हीलचेयर, दिव्यांगजन-अनुकूल शौचालय तथा PwDs (दिव्यांगजन) के लिए आरक्षित पार्किंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलेज की पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए सहायक सॉफ्टवेयर युक्त कंप्यूटर भी उपलब्ध हैं।

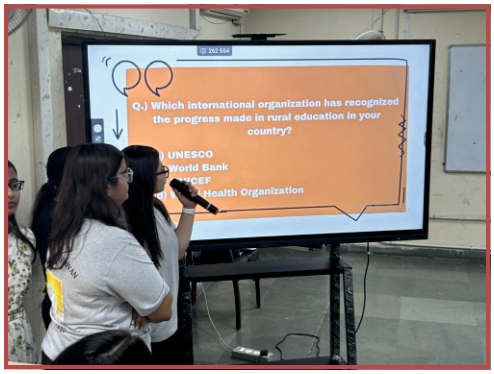

उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ कॉलेज का एक समर्पित निकाय है, जो भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्राओं के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान, समावेशिता और सहयोग को प्रोत्साहित करता है। यह प्रकोष्ठ क्षेत्र की विविध परंपराओं, कला रूपों और विरासत को उजागर करने का मंच प्रदान करता है, साथ ही विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए छात्राओं के बीच जागरूकता और एकता को बढ़ावा देता है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता 26 सितंबर 2024 को "पर्यटन विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण" विषय पर आयोजित की गई। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से आई 11 टीमों (प्रत्येक में दो प्रतिभागी) ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता बौद्धिक रूप से प्रेरणादायक सिद्ध हुई, जिसमें प्रकृति संरक्षण और पर्यटन प्रोत्साहन के बीच सूक्ष्म संतुलन को उजागर किया गया। प्रतिभागियों ने स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी), आर्थिक विकास, और पारिस्थितिकीय उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार तर्कसंगत और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

एक और यादगार कार्यक्रम – पाक शाला संबंधी कहानियाँ, 21 अक्टूबर 2024 को “सम्पूर्ण भारत में स्वाद का अनुभव” विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से आए 10 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की पाक विविधता का उत्सव मनाना था। राजस्थान के दाल बाटी से लेकर भूटान के एमा दात्शी तक, हर व्यंजन ने अपने विशिष्ट इतिहास, सामग्रियों और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया। यह कार्यक्रम न केवल स्वाद का अनुभव था, बल्कि भारत की क्षेत्रीय परंपराओं को समझने का अवसर भी बना।

AIKYAM'25 25 फरवरी 2025 को कॉलेज का बहुप्रतीक्षित AIKYAM'25, वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। "AIKYAM", जिसका संस्कृत में अर्थ है "एकता", एक ऐसा जीवंत उत्सव है जो

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामंजस्य और समावेशन को बढ़ावा देता है। इस उत्सव में तीन प्रमुख कार्यक्रम शामिल थे: इंटर-कॉलेज लोकनृत्य प्रतियोगिता

कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों की परंपरागत नृत्य शैलियाँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया। सांस्कृतिक सद्भाव रैम्प वॉक प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित प्रतियोगिता थी – पहला चरण प्रतिभा प्रदर्शन और दूसरा चरण थीम-आधारित रैम्प वॉक का। इसमें प्रतिभागियों ने भारतीय परंपरा को अपनी व्यक्तिगत पहचान के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया। भारत के रंग – तटस्थलीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को भारत के किसी एक क्षेत्र – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण या उत्तर-पूर्व – की संस्कृति, जीवनशैली और भावना को फोटोग्राफी के माध्यम से कैद करना था।

इन कार्यक्रमों ने न केवल उत्तर-पूर्व भारत की सुंदरता और जीवंतता को उजागर किया, बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमियों और संस्थानों से आए छात्राओं के बीच संबंधों को मजबूत किया। इसने प्रशंसा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता की गहरी भावना को भी प्रोत्साहित किया।

महाविद्यालय के नियम

लेक्चर्स, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल

प्रत्येक छात्र को अध्ययन के लिए चुने गए प्रत्येक विषय के लेक्चर्स और ट्यूटोरियल / प्रैक्टिकल में उपस्थित होना अनिवार्य है। लेक्चर्स / प्रैक्टिकल के लिए छात्रों को खंडों अथवा समूहों में बांटा जाता है। छात्रों से यह आशा की जाती है कि वे अपने खंड/समूह/दिवस/अवधि का समय पर पता लगाएं ताकि कोई भी कक्षा छूट न सके। यदि कोई छात्र किसी लेक्चर अथवा प्रैक्टिकल कक्षा के लिए किसी खंड/ समूह में अपना नाम/रोल नम्बर नहीं पाता है, तो उसे इस तथ्य को तुरंत संबंधित शिक्षक के संज्ञान में लाना चाहिए।

अनुशासन एवं उपस्थिति

कॉलेज के प्रत्येक छात्र को कॉलेज और विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों का पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय विनियमन के अनुसार, स्नातक पाठचक्रम के छात्र को प्रत्येक विषय के कुल लेक्चरों और ट्यूटोरियल्स / प्रैक्टिकलों में कम-से-कम 67 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। उपस्थिति में कमी वाले छात्रों को सैमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के भीतर और बाहर अनुशासन एवं शांति बनाए रखना आवश्यक । छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में अपना मोबाईल फोन स्विच ऑफ रखना अपेक्षित है। प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना कॉलेज परिसर के बाहर आयोजित किए गए किसी भी कार्यक्रम और/अथवा एकत्रीकरण के लिए कॉलेज उत्तरदायी नहीं होगा।

चिकित्सा छुट्टी

बीमारी के कारण अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए सभी आवेदन के साथ किसी अधिकृत चिकित्सक अथवा अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र संलग्न किया जाना चाहिए और इसे बीमारी के बाद छात्र के कॉलेज में उपस्थित होने की तारीख के एक सप्ताह के अवधि के भीतर प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। चिकित्सीय आधार पर उपस्थिति का लाभ देने के मामले में इस नियम का सख्ती से प्रवर्तन किया जाएगा।

पहचान-पत्र

सभी छात्रों को एडमिशन के तुरंत बाद आर एफ. पहबान पत्र जारी किए जाते हैं। छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक दिन कॉलेज में आते समय अपना पहचान-पत्र साथ लाएं और कॉलेज अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर इसका प्रदर्शन करना चाहिए। पहचान-पत्र खो जाने / खराब हो जाने के माफ़

पुस्तकालय

एक छात्र को एक सप्ताह के लिए चार पुस्तकें और एक दिन के लिए एक टेक्स्ट बुक जारी की जा सकती है। यदि निर्धारित समय पर पुस्तकें वापिस नहीं की जाती हैं तो पुस्तकालय नियमों के अनुसार जुर्माना जमा करना होगा। पुस्तकालय की पत्रिकाएं केवल संदर्भ के लिए हैं। छात्र इनकी प्रतिलिपि सुविधा के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त, छात्रों को 135000 ई-बुक और 5000 ई-पत्रिकाओं पर पहुंच बनाने के लिए एक लॉग-इन/पासवर्ड दिया गया है।

सूचना-पट्ट

छात्रों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे नियमित तौर पर सूचना-पट्ट को पढ़ें और समय-समय पर संगत आदेशों और निर्देशों का अनुपालन करें। छात्रों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे स्वयं को सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत होने हेतु, समय-समय पर कॉलेज और विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करें।

मेडल एवं पुरस्कार

शैक्षणिक सत्र के अंत में प्रत्येक पाठ्यक्रम में बेहतरीन शैक्षणिक निष्पादन के लिए मेडल से सम्मानित किया जाता है। प्रत्येक शैक्षणिक पुरस्कारों के अतिरिक्त, कॉलेज में संभव में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए भी मेडल और पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

महाविद्यालय के नियम

संगोष्ठी, कार्यशालाएं एवं विविध समारोह, वार्षिक तकनीकी महोत्सव

कॉलेज में समय-समय पर विभिन्न उद्योगों एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ सीधे संवाद के उद्देश्य से संगोष्ठी /कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है ताकि छात्रा उनके अनुभव और ज्ञान से लाभान्वित हो सकें। कुशल पेशेवरों द्वारा व्याख्यान भी समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक छात्रा के लिए इन सेमिनारों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों में उपस्थित रहना अनिवार्य है। अनुपस्थित रहने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लॉकर

प्रत्येक छात्रा को शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में एक लॉकर आवंटित किया जाता है। छात्रा प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम एवं पुस्तकालय में बैग लेकर नहीं जा सकते और न ही अपने सामान को बिना देखरेख छोड़ा जा सकता है। अतः सुरक्षा की दृष्टि से लॉकर का लॉक किया जाना अनिवार्य है।

कॉलेज संपत्ति को नुकसान पहुँचाना

छात्राओं को कॉलेज की संपत्ति का उचित ध्यान रखना चाहिए। किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, नुकसान या छेड़छाड़ करने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें फर्नीचर, फिटिंग्स आदि का संरक्षण भी शामिल है।

छात्रावृत्ति

सभी पात्र SC/ST, OBC, PwD आदि छात्रा भारत सरकार के राष्ट्रीय छात्रावृत्ति पोर्टल पर घोषित समय पर ऑनलाइन फॉर्म भरकर छात्रावृत्ति हेतु आवेदन कर सकते हैं। यह प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए आवश्यक है।

शुल्क में रियायत

कॉलेज आर्थिक रूप से कमजोर, ज़रूरतमंद एवं मेधावी छात्राओं के लिए शुल्क में रियायत प्रदान करता है। इच्छुक छात्रा कॉलेज वेबसाइट पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में प्रवेश के पश्चात आवेदन कर सकते हैं। आवेदन आमंत्रित करने के लिए एक सूचना जारी की जाती है। छात्राओं को सलाह दी जाती है कि वे नोटिस बोर्ड पर नियमित रूप से घोषणाएं देखें।

यदि कोई छात्रा कॉलेज के किसी भी नियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें चेतावनी, जुर्माना, पुस्तकालय के उपयोग से निलंबन, कक्षा से निलंबन या कॉलेज से निष्कासन तक की कार्रवाई हो सकती है।

अध्यादेश

अध्यादेश XV-B

विश्वविद्यालय के छात्राओं के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित होती हैं।
2. कुलपति अपनी इच्छानुसार ये शक्तियाँ प्रॉक्टर या किसी अन्य व्यक्ति को सौंप सकते हैं।
3. इस अध्यादेश के अंतर्गत अनुशासन लागू करने की सामान्य शक्तियों के बिना हानि पहुँचाए, निम्नलिखित कार्य घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आएंगे:

   क) किसी भी शैक्षणिक या अशैक्षणिक कर्मचारी अथवा किसी छात्रा पर शारीरिक हमला करना या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।

   ख)हथियार रखना, उनका उपयोग करना, या उपयोग की धमकी देना।

   ग)नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का उल्लंघन।

   घ)अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

   ङ)महिलाओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार या कथन।

   च)रिश्वत देने या भ्रष्टाचार का प्रयास।

   छ)संस्थान की संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना।

   ज)धार्मिक या साम्प्रदायिक आधार पर वैमनस्य या असहिष्णुता फैलाना।

   झ)विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना।

   ञ) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध।
4. अनुशासन बनाए रखने की शक्ति के अंतर्गत कुलपति निम्नलिखित कार्रवाई कर सकते हैं:

   क) किसी छात्रा को निष्कासित करना।

   ख)निश्चित समय के लिए छात्रा को विश्वविद्यालय से निलंबित करना।

   ग) किसी छात्रा को निश्चित समय तक किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश से वंचित करना।

   घ) छात्रा पर निर्धारित राशि का जुर्माना लगाना।

   ङ) छात्रा को एक या अधिक वर्षों तक विश्वविद्यालय, कॉलेज या विभागीय परीक्षाओं में सम्मिलित होने से वंचित करना या परीक्षाओं में प्राप्त परिणाम को रद्द करना।
5. कॉलेजों, छात्रावासों और संबंधित विभागों के शिक्षक, अपने क्षेत्राधिकार में अनुशासन बनाए रखने के लिए उपयुक्त शिक्षकों को अधिकार सौंप सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर की उपर्युक्त शक्तियों के अलावा, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। ये नियम, जहाँ आवश्यक हो, वहाँ कॉलेजों के प्राचार्य, छात्रावास प्रमुख, संकाय अधिष्ठाता और शिक्षण विभागाध्यक्ष द्वारा पूरक रूप में निर्धारित किए जा सकते हैं। प्रत्येक छात्रा को इन नियमों की प्रति प्राप्त करनी होगी। प्रवेश के समय प्रत्येक छात्रा को यह घोषणा करनी होगी कि वह विश्वविद्यालय के अधिनियमों, अधिनियमिक नियमों, विनियमों तथा विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अनुशासनात्मक नियमों के अधीन रहेगा।

अध्यादेश XV-C

रैगिंग पर प्रतिबंध और दंड

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसरों, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग और सार्वजनिक परिवहन में रैगिंग किसी भी रूप में सख्ती सेप्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता मानी जाएगी और इस अध्यादेश के अंतर्गत उसका निपटारा किया जाएगा।
3. इस अध्यादेश के अनुसार रैगिंग से तात्पर्य सामान्यतः ऐसे किसी भी कार्य, व्यवहार या अभ्यास से है, जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्राओं की प्रभुत्वशाली शक्ति या स्थिति का उपयोग नए नामांकित या कनिष्ठ छात्राओं पर किया जाता है; इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

   क) शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी।

   ख) महिला छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

ग) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित छात्राओं की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

घ) छात्राओं को उपहास और तिरस्कार का पात्र बनाना जिससे उनका आत्म-सम्मान प्रभावित हो।

ङ) मौखिक गाली-गलौज, आक्रामक व्यवहार, अभद्र संकेत और अशोभनीय आचरण करना।

4. किसी भी रैगिंग की घटना की सूचना मिलने पर, कॉलेज के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख या विश्वविद्यालय के हॉस्टल/छात्रावास के अधिकारी तुरंत कार्रवाई करेंगे।
5. उपर्युक्त खंड (4) के बावजूद, प्रॉक्टर किसी रैगिंग की घटना की स्वतः संज्ञान लेकर जांच कर सकते हैं और कुलपति को दोषी व्यक्तियों की पहचान एवं घटना की प्रकृति की रिपोर्ट दे सकते हैं।
6. प्रॉक्टर प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिसमें रैगिंग करने वालों की पहचान और घटना की प्रकृति स्पष्ट की गई हो।
7. यदि कॉलेज के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख या प्रॉक्टर यह लिखित रूप में दर्ज कर संतुष्ट हों कि किसी कारणवश जांच करना व्यावहारिक नहीं है, तो वे कुलपति को इस संबंध में परामर्श दे सकते हैं।
8. यदि कुलपति इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि जांच करना उपयुक्त नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5), (6) या (7) के अंतर्गत प्राप्त रिपोर्ट में यदि खंड 3(a), (b) और (c) में वर्णित रैगिंग की घटनाएं सामने आती हैं, तो कुलपति दोषी छात्रा/छात्राओं को एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित करने का निर्देश दे सकते हैं।
10. रैगिंग के अन्य मामलों में, कुलपति छात्रा/छात्राओं को निष्कासित करने, किसी कार्यक्रम में प्रवेश से वंचित करने, परीक्षा में बैठने से रोकने या उनकी परीक्षा का परिणाम रद्द करने का आदेश दे सकते हैं।
11. यदि किसी छात्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया हो और उसे इस अध्यादेश के अंतर्गत दोषी पाया जाए, तो अधिनियम 15 के अंतर्गत उसकी डिग्री या डिप्लोमा को निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु, किसी भी रूप में रैगिंग के लिए उकसाना, सहायता करना या अभ्यास करना भी रैगिंग माना जाएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के अंतर्गत जारी निर्देशों का पालन करना होगा और इसे प्रभावी रूप से लागू करने हेतु कुलपति को सहयोग देना होगा।

टिप्पणी: अध्यादेश XV-C के अनुपालन में कुलपति का आदेश:

यदि किसी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटना की सूचना कुलपति को दी जाती है, तो संबंधित छात्राओं को आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा।

रैगिंग में लिप्त गैर-छात्राओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी और उन्हें पाँच वर्षों तक दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा।

ऐसे छात्राओं को, जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, न्यायसंगत प्रक्रिया के अनुसार निर्णय के पश्चात सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाएगा।

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)

यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने तथा यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए बनाया गया है।

इस अधिनियम की पृष्ठभूमि:

यौन उत्पीड़न, संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत महिलाओं के समानता के मौलिक अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है।

यह अधिनियम महिलाओं को ऐसे सुरक्षित वातावरण में कार्य करने का अधिकार प्रदान करता है जो यौन उत्पीड़न से मुक्त हो।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता:

यह अधिकार महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा भी मान्यता प्राप्त है, जिसे भारत सरकार ने 25 जून, 1993 को अनुमोदित किया था।

उद्देश्य:

इस अधिनियम का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने हेतु उपयुक्त प्रावधान लागू करना है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँ:

http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-atWorkplace-Act.pdf

समितियाँ

प्रवेश समिति

डॉ. परा धोलकिया (संयोजक) 9811706879
डॉ. वर्षा मेहरा (संयोजक) 9971703464
डॉ. श्रुति बंसवाल (विदेशी छात्रा सलाहकार) 9811381293
डॉ. साधना जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग 9810136644
डॉ. श्रुति बंसवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, बायोमेडिकल साइंसेज़ विभाग 9811381293
प्रो. जसजीत कौर, विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग 8130959222
प्रो. दीपाली बजाज, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग 9899291274
डॉ. दीपा जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर,विभागाध्यक्ष, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग 9810950353
सुश्री प्रीति सिंघल, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग 9953469945
डॉ. दया भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग 9811329028
प्रो. पुनीता सक्सेना, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग 9810221483
प्रो. रेखा मेहरोत्रा, विभागाध्यक्ष, जैविकी/सूक्ष्मजैविकी विभाग 9811243283
प्रो. अल्का वोहरा कुआर, विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग 9717453770
डॉ. दया भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग 9811329028
प्रो. पायल मागो / डॉ. दीपा त्यागी, सांख्यिकी विभाग 9529794512
प्रो. पायल मागो / श्री. सुभाष माण्डा, वित्तीय अध्ययन विभाग 9873527221
प्रो. पायल मागो / डॉ. डिम्पी हांडा, प्रबंधन अध्ययन विभाग 9212111802

प्रवेश शिकायत समिति

डॉ. मोहम्मद साकिब अंसारी (संयोजक) 9868877867
डॉ. श्रीश अग्निहोत्री (सह-संयोजक) 9971703464

खेल प्रवेश समिति

डॉ. बिमला पवार (संयोजक) 9810224259

ईसीए प्रवेश समिति

डॉ. मनीषा खत्री 9810169181

विशेष श्रेणी प्रवेश सुविधा समिति

डॉ. मोहम्मद साकिब अंसारी (संयोजक) 9868877867
डॉ. संतोष बाबू 9871256647

प्रॉक्टोरियल एवं एंटी-रैगिंग समिति

प्रो. स्नेहा काबरा 9868847325
डॉ. हेमंत 9818715652
डॉ. सतीश कुमार 8006324065

आंतरिक शिकायत समिति

प्रो. रंजना सिंह (नोडल अधिकारी) 9811258145

शुल्क रियायत समिति

डॉ. सुरुचि चावला (संयोजक) 9811381293

पाठ्यक्रम सह सीटों की संख्या

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	सामान्य	ओ. बी. सिकुल (एन.सी.एल.)	एस. सी.	एस. टी.	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल (सुपरन्यूमरी के अलावा)	पी.डब्ल्यू.डी.	सी. डब्ल्यू. (आर्मी)	के. एम.	खेलकूद	ई.सी.ए.	वार्ड कोटा (14 टी. /14 पी.टी.)	विदेशी नागरिक	कुल सुपरन्यूमरी
1	बी.एससी. (ऑनर्स) जैवचिकित्सा विज्ञान	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
2	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
3	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
4	बी.एससी. (ऑनर्स) संगणक विज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
5	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
6	बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रद्यौगिकी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
7	बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	0	1	2	4	13
8	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
9	बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजैविकी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
10	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
11	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) (बैचलर इन बिज़नेस स्टडीज, फाइनेंसियल इन्वेस्टमेंट एनालिसिस)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
13	बी.एम.एस. (बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
14	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	2	2	5	19

शुल्क संरचना

शैक्षणिक वर्ष 2025 -2026 के लिए शुल्क संरचना

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)
वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली - 110 096

शैक्षणिक वर्ष 2025 - 2026 के लिए शुल्क संरचना

(राशि रुपये में)

1	ट्यूशन फीस	180
2	विश्वविद्यालय छात्रा कल्याण कोष**	250
3	कॉलेज छात्रा कल्याण कोष**	4500
4	विश्वविद्यालय विकास कोष*	1500
5	कॉलेज विकास कोष**	2000
6	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क*	1500
7	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	15500
8	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय कोष*	250
	कुल	**25680**

* विश्विद्यालय को देय।

** छात्रा समाज कल्याण कोष में देय।

शैक्षणिक वर्ष 2025 - 2026 के लिए कार्यक्रम और श्रेणीवार शुल्क

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)
वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली - 110 096

शैक्षणिक वर्ष 2025 - 2026 के लिए शुल्क संरचना

(राशि रुपये में)

सं.	कार्यक्रम	सामान्य/ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू एस./ सी.डब्ल्यू./के.एम./खेलकूद/ई.सी.ए./वार्ड	एस.सी./ एस.टी.	अनाथ नागरिक*	पी.डब्ल्यू डी.
1	बॉयोकैमिस्ट्री	25680	25500	10	3500
2	बॉयोमेडिकल साइंस	25680	25500	10	3500
3	कैमिस्ट्री	25680	25500	10	3500
4	कंप्यूटर साइंस	35680	35500	10	3500
5	इलैक्ट्रॉनिक्स	40680	40500	10	3500
6	खाद्य प्रौद्योगिकी	25680	25500	10	3500
7	इंस्ट्रूमेंटेशन	25680	25500	10	3500
8	गणित	25680	25500	10	3500
9	माइक्रोबॉयोलोजी	25680	25500	10	3500
10	भौतिकी	25680	25500	10	3500
11	सांख्यिकी	25680	25500	10	3500
12	बिजनैस प्रशासन (एफ.आई.ए.)	25680	25500	10	3500
13	मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.)	36680	36500	10	3500
14	मनोविज्ञान	25680	25500	10	3500

विदेशी छात्र वार्षिक शुल्क - डीयू दिशानिर्देशों के अनुसार

शुल्क वापसी नीति

शुल्क वापसी और रिफंड नीति के विवरण के लिए दिल्ली विश्वविधालय की प्रवेश वेबसाइट : www.admission.uod.ac.in

मार्गदर्शिका

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाईड साइंस फॉर वूमेन

वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली - 110096

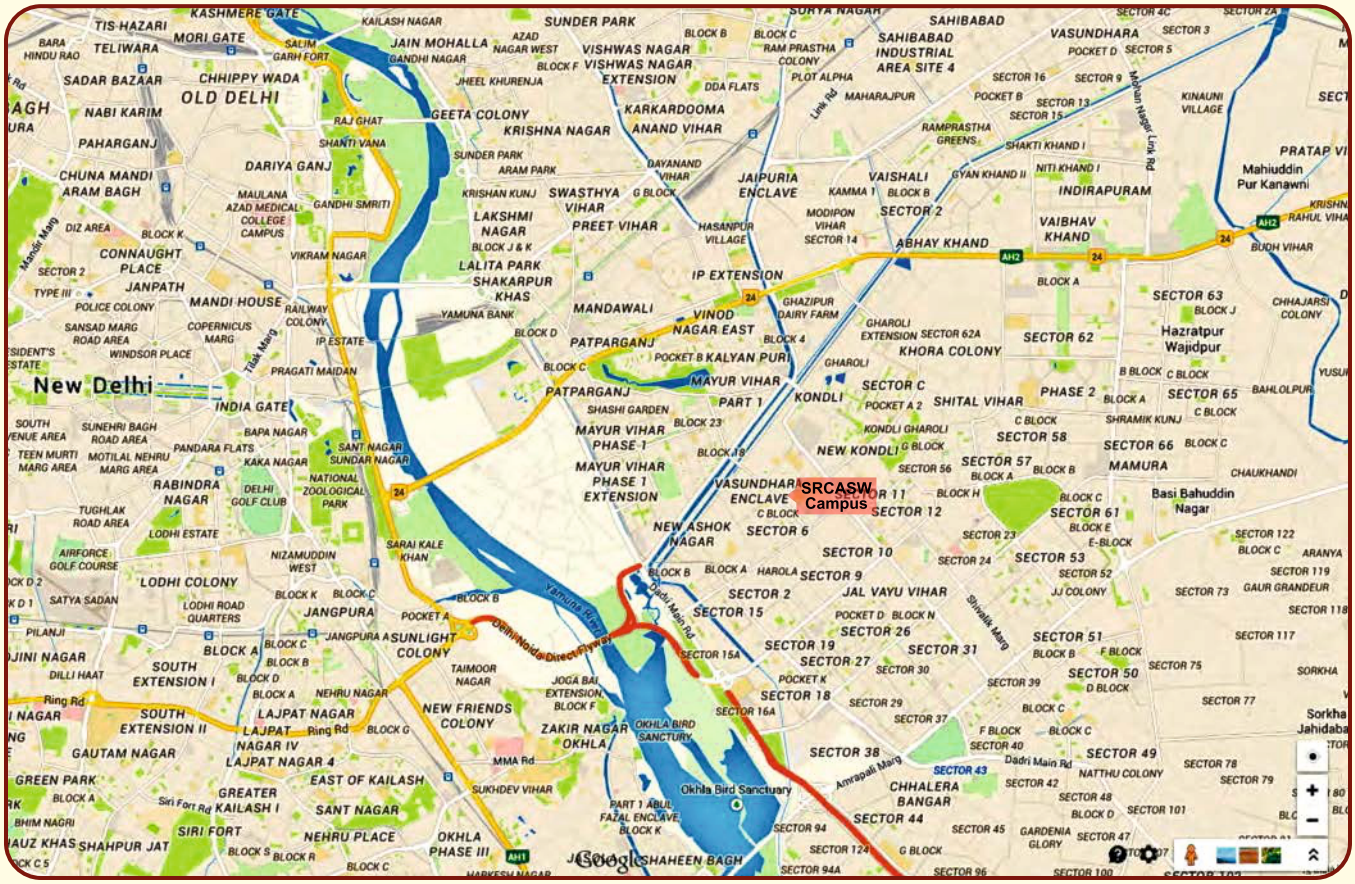

नजदीकी मेट्रो स्टेशन : सेक्टर 15, नोएडा, उत्तर प्रदेश (2.5 कि.मी.)

नई अशोक नगर, दिल्ली (3.7 कि.मी.)

मयूर विहार एक्सटेंशन, दिल्ली (4.5 कि.मी.)

त्रिलोकपुरी संजय लेक, दिल्ली (3.0 कि.मी.)

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुंधरा एन्क्लेव (चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से सटा हुआ), दिल्ली - 110 096

फोन: 011-22623503, 22623505 | टेलीफ़ैक्स: 011- 22623504

वेबसाइट: www.rajgurucollege.com